दैनिक

शुभ भास्कर

उप्र व मप्र से प्रकाशित

e-mail dailyshubhbhaskar@gmail.com

RNI. N. UPHIN/2015/64737

हर कदम आपके साथ......

वर्ष - 13 अंक- 147 | झांसी 29/गुरूवार /अप्रेल/2021 | पृष्ठ -8 मुल्य -3 रूपये

संक्षेप में...

गर्मी ने दिखाया तेवर, दिल्ली में 41 डिग्री के पार पारा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार को दिल्ली का पारा 40 डिग्री सेल्सियस पर जा पहुंचा था। मौसम विभाग की मानें तो अब दिल्ली का पारा दिनबदिन ऊपर ही जाएगा। अनुमान है कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस होगा। इस पूरे हफ्ते दिल्ली और उसके आसपास के बाकी हिस्सों में दिन में बदन झुलसा देने वाली तपिश और लू का एहसास होगा। लॉकडाउन में यदि बेहद आवश्यक काम से घर से बाहर निकलना पड़ जाए तो ऐसे लोगों को पूरी बाजू के कपड़ों का इस्तेमाल करना जरूरी होगा। वर्ना सनबर्न और लू लगने की संभावना बढ़ जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी की चाची का कोरोना से निधन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चाची नर्मदाबेन मोदी का मंगलवार को निधन हो गया। 80 साल की नर्मदाबेन कोरोना संक्रमित थीं। उनका इलाज अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में चल रहा था।प्रधानमंत्री मोदी के भाई प्रह्लाद मोदी ने बताया कि 10 दिन पहले तबीयत बिगड़ने पर नर्मदाबेन को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आज उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके पति जगजीवनदास की कई साल पहले मृत्यु हो चुकी है। नर्मदाबेन के बच्चे रानिप एरिया में रहते हैं।

अनुपम खेर ने लिखा, आएगा तो मोदी ही, यूजर्स बोले-डूब मरो

नई दिल्ली । लगता है कि अनुपम खेर को कोरोना संकट के दौर में भी उन्हें मानवीय संवेदनाओं और पीड़ा से कुछ लेना देना नहीं है। अनुपम ने शेखर गुप्ता की एक पोस्ट को रीट्वीट करते हुए लिखा- सरकार की आलोचना जरूरी है। उनपे तोहमत लगाइए। पर इससे जूझना हम सबकी भी जिम्मेदारी है। वैसे घबराइए मत। आएगा तो मोदी ही। इसके बाद आप समझ ही गए होंगे कि जनता ने उनकी खैर-खबर किस तरह ली होगी। बात शुरू हुई थी शेखर गुप्ता के ट्वीट से जहां उन्होंने लिखा था- साठ के दशक के बच्चे के रूप में मैंने हर मुसीबत देखी।

मेरे खिलाफ चुनाव लड़कर दिखाएं सिद्धू, जमानत जब्त होगी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और क्रिकेटर से नेता बने नवजोत सिंह सिद्धू के बीच एक बार फिर तनातनी हो गई है। सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नवजोत सिंह सिद्धू पर बड़ा हमला बोला है। कैप्टन ने सिद्धू को अपने खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। साथ ही अमरिंदर सिंह ने कहा कि अगर सिद्धू ने उनके खिलाफ चुनाव लड़ा तो उनका वही हाल होगा जो जनरल जेजे सिंह का हुआ था। उनकी भी जमानत जब्त हो जाएगी।पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को नवजोत सिंह सिद्धू पर तंज कसते हुए कहा कि अब वह किस पार्टी में जा रहे हैं।

न्यायमूर्ति बिंदल होंगे कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली। कलकत्ता हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायमूर्ति राजेश बिंदल को कलकत्ता हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वह 29 अप्रैल, 2021 को अपना पदभार ग्रहण करेंगे। बिंदल कलकत्ता हाईकोर्ट के निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति थोट्टाथिल भास्करन नायर राधाकृष्णन की जगह लेंगे। विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने संविधान के अनुच्छेद 223 में निहित अधिकारों का प्रयोग करते हुए इस नियुक्ति का फैसला किया है।

दिल्ली में एक महीने के अंदर लगेंगे 44 ऑक्सीजन प्लांट्स

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि ऑक्सीजन टैंकर खरीद रहे हैं। दिल्ली सरकार ने बैंकॉक से 18 टैंकर आयात करने का निर्णय किया है, ये टैंकर कल से आने शुरू हो जाएंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने केंद्र सरकार से इसके लिए वायुसेना के विमान देने का अनुरोध किया और उनका काफी सकारात्मक रवैया रहा है। बातचीत चल रही है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि फ्रांस से हम ऑक्सीजन के 21 प्लांट आयात कर रहे हैं, ये रेडी टू यूज प्लांट हैं। इनको अलग-अलग अस्पतालों में लगा देंगे, इससे हमें उन अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी दूर करने में मदद मिलेगी।

कोरोना मरीजों के लिए जीवनदायनी बनी रेलवे

नई दिल्ली। देश में कोरोना की दूसरी लहर से प्रभावित मरीजों के जान की रक्षा के लिए भारतीय रेलवे मुस्तैदी से काम कर रहा है। रेलवे ने मंगलवार सुबह अपनी आक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों के माध्यम से लगभग 450 टन ऑक्सीजन देश के विभिन्न राज्यों में पहुंचाई है।भारतीय रेलवे के अनुसार, 90 टन से अधिक ऑक्सीजन वाले छह टैंकर वर्तमान में उत्तर प्रदेश के लिए ऑक्सीजन लेने के लिए बोकारो से जबलपुर और भोपाल के पास मंडीदीप और 3 टैंकरों से बोकारो के रास्ते में आ रहे हैं। आज से पहले, दिल्ली के लिए लगभग 70 टन जीवन-रक्षक गैस ले जाने वाली पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन राष्ट्रीय राजधानी में पहुंच गई है।

न जीत का जश्न और न जुलूस निकलेगा, सर्टिफिकेट लेने दो लोग ही आएंगे

■ नईदिल्ली

मद्रास हाईकोर्ट की फटकार के एक दिन बाद चुनाव आयोग चुनावी कार्यक्रमों में कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर सख्त हो गया है। आयोग ने 2 मई को आने वाले पांच राज्यों के विधानसभा नतीजों पर एक आदेश दिया है। इसमें कहा गया है कि वोटों की काउंटिंग के दौरान या नतीजे आने के बाद किसी तरह का जुलूस नहीं निकाला जाएगा और न ही जश्न मनाया जाएगा। नतीजों के बाद कोई भी उम्मीदवार सिर्फ दो लोगों के साथ ही अपनी जीत का सर्टिफिकेट लेने जा सकता है। 2 मई को तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, असम और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम आने हैं। बंगाल में 7 चरणों के चुनाव हो चुके हैं। आखिरी चरण के लिए वोटिंग 29 अप्रैल को होनी है। बाकी राज्यों में चुनाव हो चुके हैं।

कोर्ट ने काउंटिंग रोकने की चेतावनी दी थी: कोरोना के बिगड़ते हालात के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग को कड़ी फटकार लगाई थी। चीफ जस्टिस ने तो यहां तक कह दिया कि कोरोना की दूसरी लहर के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार है। उन्होंने आयोग को चेतावनी दी थी कि 2 मई को काउंटिंग के दिन के लिए कोविड प्रोटोकॉल बनाए जाएं और उनका पालन हो। ऐसा नहीं हुआ तो हम काउंटिंग शेड्यूल को रोकने पर मजबूर हो जाएंगे।

मद्रास हाईकोर्ट की फटकार के बाद ईसी सख्त

मद्रास हाईकोर्ट तमिलनाडु की करूर विधानसभा सीट पर होने वाली काउंटिंग को लेकर दायर पिटीशन पर सुनवाई कर रहा था। पिटीशन में मांग की गई है कि इस विधानसभा सीट पर 77 उम्मीदवार मैदान में हैं, इसलिए 2 मई को काउंटिंग के दिन यहां कोविड प्रोटोकॉल का पालन होना चाहिए।

काउंटिंग को लेकर हाईकोर्ट की 6 टिप्पणियां

1. आप इसे सुनिश्चित कीजिए कि काउंटिंग के दिन कोविड प्रोटोकॉल पर अमल हो।
2. किसी भी कीमत पर राजनीतिक या गैर-राजनीतिक वजह से काउंटिंग का दिन कोरोना के मामलों को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार नहीं होना चाहिए।
3. या तो काउंटिंग तरीके से हो या फिर उसे टाल दिया जाएगा।
4. लोगों की सेहत सबसे अहम है। यह बात परेशान करती है कि प्रशासन को इस बात की याद दिलानी पड़ती है।
5. जब नागरिक जिंदा रहेंगे, तभी वे उन अधिकारों का इस्तेमाल कर पाएंगे, जो उन्हें इस लोकतांत्रिक गणराज्य में मिले हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से पूछा सवाल,क्या वैक्सीनेशन ही सबसे बड़ा विकल्प है?

केंद्र बताए,कोरोना संकट पर नेशनल प्लान क्या है?

■ नईदिल्ली

कोरोना की दूसरी लहर में ऑक्सीजन की किल्लत और दूसरी परेशानियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि संकट से निपटने के लिए आपका नेशनल प्लान क्या है? क्या वैक्सीनेशन ही मुख्य विकल्प है। सुनवाई की शुरूआत में ही सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा, 'हमें लोगों की जिंदगियां बचाने की जरूरत है। जब भी हमें जरूरत महसूस होगी, हम दखल देंगे। राष्ट्रीय आपदा के समय हम मूकदर्शक नहीं बने रह सकते हैं। हम हाईकोर्ट्स की मदद की जिम्मेदारी निभाना चाहते हैं। इस मामले में उन अदालतों को भी अहम रोल निभाना है।' सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले पर 30 अप्रैल को सुनवाई करेगी।

केंद्र ने कहा- प्रधानमंत्री खुद समस्याओं पर ध्यान दे रहे हैं

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार हाई लेवल पर इस मसले पर काम कर रही है। परेशानियां दूर करने के लिए प्रधानमंत्री खुद इसे देख रहे हैं। हम हालात को बहुत सावधानी से संभाल रहे हैं।

कोर्ट में सुनवाई का मतलब केस ट्रांसफर करना नहीं है

सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई में ही कहा था कि कोरोना और ऑक्सीजन जैसे मुद्दों पर छह अलग-अलग हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। इससे कन्फ्यूजन पैदा हो सकता है। कोर्ट ने ये भी स्पष्ट किया था कि हाईकोर्ट के मामलों पर सुनवाई का मतलब केस ट्रांसफर करना नहीं है। हाईकोर्ट्स आगे बढ़ें और फैसले लें।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कोरोना के बिगड़ते हालात पर 4 बिंदु में नेशनल प्लान मांगा

1. राजधानी दिल्ली सहित कई राज्यों में ऑक्सीजन सप्लाई की कमी बनी हुई है और मरीजों की जान जा रही है।
2. पूरे देश में 1 मई से वैक्सीनेशन का तीसरा फेज शुरू हो रहा है, लेकिन राज्यों में वैक्सीन की किल्लत बनी हुई है।
3. कोरोना के इलाज में उपयोग होने वाली दवाओं की हर राज्य में कमी है।
4. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लॉकडाउन लगाने का अधिकार कोर्ट के पास नहीं होना चाहिए। ये राज्य सरकार के अधीन हो।

सिस्टम सुधारिए, आपसे नहीं हो रहा तो हम केंद्र के अधिकारी लगाएंगेः दिल्ली हाईकोर्ट

राष्ट्रीय राजधानी में जारी ऑक्सिजन संकट को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को काफी सख्त रुख अपनाया। दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। कहा आपका सिस्टम पूरी तरह फेल है, किसी काम का नहीं है। सिस्टम ठीक कीजिए। अगर आपके अधिकारियों ने सिचुएशन को नहीं संभाल सकते तो बताइए, हम तब केंद्र के धिकारियों को लगाएंगे। लोगों को हम मरने नहीं दे सकते। इसके अलावा कोर्ट ने दिल्ली सरकार को एक ऑक्सिजन सप्लायर के यूनिट को टेक ओवर करने का निर्देश दिया ।

हाईकोर्ट की फटकार के बाद बोले केजरीवाल- मैं भी काफी घबरा गया था

दिल्ली में कोरोना महामारी की कहर से जूझ रहे लोगों के लिए दिल्ली सरकार बैंकाक से 18 ऑक्सीजन टैंकर और फ्रांस से 21 ऑक्सीजन प्लांट मंगवा रही है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। ऑक्सीजन संकट पर तीन दिन के अफरा-तफरी भरे मंजर का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया, पिछले हफ्ते हमने देखा तीन दिन ऐसे थे बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार जब दिल्ली के अस्पतालों में बहुत अफरातफरी मच गई थी, यहां ऑक्सीजन खत्म हो गई है। मैं काफी घबरा गया था।

ग्वालियर में ऑक्सीजन खत्म, टैंकर पहुंचने से पहले 3 ने फिर दम तोड़ा

■ ग्वालियर

ग्वालियर के सबसे बड़े हॉस्पिटल कमला राजा अस्पताल में मंगलवार को ऑक्सीजन खत्म हो गई। बताया जा रहा है कि कुछ ही देर में 3 मरीजों की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। हालांकि कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने कम से कम 10 मौतों का दावा किया है। अस्पताल प्रबंधन 2 मरीजों की मौत की बात कह रहा है। कुछ दिन पहले भी यहां ऑक्सीजन खत्म होने से तीन मरीजों की मौत हो गई थी।घटना के बाद मृतकों के घर वालों का गुस्सा देखकर डॉक्टर और स्टाफ के लोग अस्पताल छोड़कर भाग गए। अस्पताल में पुलिस तैनात कर दी गई है। हैरानी की बात यह है कि सोमवार शाम को ही ग्वालियर कलेक्टर ने जिले में हालात काबू में होने और ऑक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था होने की बात कही थी।

मरीज मरते गए, डॉक्टर लाचारी से देखते रहेः ग्वालियर के खअल्ल (जयारोग्य अस्पताल) परिसर में बने (कमला राजा अस्पताल) की तीसरी मंजिल पर मेल वार्ड में सोमवार सुबह 9 बजे ऑक्सीजन खत्म हो गई।

डॉक्टर नहीं भागते तो कुछ मरीज बच सकते थे

जैसे ही हॉस्पिटल में एक के बाद एक मौत का सिलसिला शुरू हुआ, डॉक्टर डर गए। मौका देखकर वे भी वहां से निकल गए। आरोप है कि डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ जानते थे कि ऑक्सीजन खत्म हो गई है। कुछ देर बाद ऑक्सीजन का टैंकर पहुंचा, लेकिन तड़प रहे मरीजों को ऑक्सीजन लगाने के लिए कोई डॉक्टर या स्टाफ नहीं था। यदि डॉक्टर होते तो शायद कुछ की जान बच जाती या हालत इतनी न बिगड़ती।

माहौल बिगड़ने की आशंका से तुरंत पहुंची पुलिस

मरीजों की मौत के बाद अस्पताल में माहौल बिगड़ने लगा। इसे भांपते हुए बड़ी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची। सीएसपी लश्कर पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गए और अस्पताल को निगरानी में ले लिया।

बीड में एक एंबुलेंस में ठूंस दीं 22 बॉडी

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में कोरोना मरीजों के शव के साथ अमानवीयता की घटना सामने आई है। यहां एक एम्बुलेंस में 22 शवों को एक दूसरे के ऊपर रखकर शमशान लाया गया और फिर एक चिता पर 2 से 3 लाशों को रखकर अंतिम संस्कार किया गया। घटना की तस्वीरें सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं। बीड जिले के अंबाजोगाई में स्वामी रामानंद तीर्थ अस्पताल में रविवार रात तक कोरोना से 30 मरीजों की मौत हुई थी। इनमें से 22 शवों को एक ही एम्बुलेंस में शमशान लाया गया, बाकी के 8 शव दूसरी एंबुलेंस में लाए। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हॉस्पिटल के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की है। अस्पताल ने सफाई में कहा है कि उनके पास दो ही एंबुलेंस हैं। उन्होंने पांच एंबुलेंस की और मांग की है। 17 मार्च को प्रशासन को पत्र लिखा जा चुका है, लेकिन अभी तक एम्बुलेंस नहीं मिली हैं। अंबाजोगाई के अनुविभागीय अधिकारी शरद जादके ने बताया कि कोरोना मरीज की मृत्यु के कुछ ही देर में अंतिम संस्कार का नियम है।

शमशान में एक चिता पर 3-3 शवों का अंतिम संस्कार किया

कोविड मरीजों को मिलेंगे फ्री रेमडेसिविर इंजेक्शन

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि रेमडेसिविर जैसी किसी भी जीवनरक्षक दवा का प्रदेश में अभाव नहीं है। हर दिन इसकी आपूर्ति बढ़ रही है। जिलों की मांग को देखते हुए रेमडेसिविर के पर्याप्त वॉयल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में यह इंजेक्शन निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है, जरूरत पड़ी तो निजी अस्पतालों को भी रेमडेसिविर मुहैया कराई जाए।

कोविशील्ड और कोवैक्सीन और सस्ती होगी

■ नईदिल्ली

केंद्र सरकार ने दाम घटाने का किया आग्रह

केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने पर टीकाकरण के उद्देश्य से एसआईआई और बीबी को कोविशील्ड और कोवैक्सीन की कीमतों को कम करने का आग्रह किया है। इसके बाद उम्मीद जताई जा रही है कि टीकाकरण के लिए भारत में इस्तेमाल किये जा रहे दोनों वैक्सीन की कीमतें और कम हो सकती हैं। भारत सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक को कोरोना वैक्सीन की कीमतों को कम करने के लिए कहा है। सरकार ने कहा कि कि 1 मई से पूरे देश में 18 साल से ऊपर के सभी लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी, इसलिए वो वैक्सीन की कीमतों में कटौती करें। सरकार का मानना है कि जब इतने बड़े पैमाने पर वैक्सीन की डिमांड हो, तो कीमतें और बेहतर हो सकती हैं। फिलहाल दोनों ही कंपनियां केंद्र सरकार को 150 रुपये प्रति खुराक की दर से वैक्सीन की आपूर्ति कर रही हैं और केंद्र अपनी ओर से यह वैक्सीन मुफ्त वितरित कर रहा है। पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने इस सप्ताह की शुरूआत में वैक्सीन की कीमत राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के साथ किसी नए करार के लिए 400 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों के लिए 600 रुपये प्रति खुराक तय की थी।

रिपोर्ट... मिडिल क्लास में 26 और बस्तियों में सिर्फ 4 फीसदी फैला संक्रमण

अमीरों की तुलना में कोरोना गरीबों पर कम असरदार है

■ राजकोट

अमीरों की तुलना में कोरोना गरीबों पर कम असरदार है। अपर मिडिल क्लास के 70 फीसदी लोग कोरोना का शिकार हो रहे हैं। लोअर मिडिल क्लास में 25.74 फीसदी लोगों पर इसका असर है। इसके उलट बस्तियों में रहने वाले गरीब तबके के 4.26 प्रतिशत लोग ही कोरोना की चपेट में आए हैं। ये खुलासा गुजरात की सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी की रिसर्च में हुआ है। सर्वे में ये बात भी सामने आई है कि कोरोना लोगों की जीवनशैली के हिसाब से भी शरीर को नुकसान पहुंचाता है। अलग-अलग उम्र के लोगों पर वायरस का असर अलग-अलग है। इसके अलावा महिला और पुरुष पर भी संक्रमण का प्रभाव अलग-अलग पड़ता है। रिसर्च सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. योगेश जोगसणा के मार्गदर्शन में निमिषा पडारिया ने किया है। रिसर्च में 720 कोरोना मरीजों पर स्टडी की गई।

पौष्टिक आहार लेना जरूरी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार जूरी है, लेकिन 21वीं सदी में लोग फास्ट फूड का सेवन ज्यादा कर रहे हैं। स्टडी में सामने आया है कि पौष्टिक तत्व लेने पर कोरोना से रिकवरी तेजी से होती है। इसके लिए गेहूं, चावल, बाजरा, ज्वार, हरी-ताजी सब्जियों और फल पर्याप्त मात्रा में खाना चाहिए। इनसे कार्बोहाइड्रेड, प्रोटीन, फेट, विटामिन, मिनरल्स, फाइबर मिलता है। ये पाचनशक्ति और रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

डब्लूएचओ ने कहा-भारत में हालात दिल दहलाने वाले

अस्पताल मरीजों से और श्मशान लाशों से भरे

जेनेवा। भारत में कोरोना महामारी से बिगड़ते हालातों पर डब्लूएचओ ने चिंता जताई है। संगठन के प्रमुख डॉ. टेड्रोस गेब्रेयेसस ने कहा कि भारत में इस समय हालात दिल दहलाने वाले हैं। बीते कुछ दिनों में वहां कोरोना के मरीज तेजी से बढ़े हैं। मरीजों के परिजन अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। हालात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राजधानी दिल्ली में एक हफ्ते का लॉकडाउन लगाना पड़ा। टेड्रोस ने कहा कि भारत कोविड-19 की भयानक लहर के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है। अस्पताल मरीजों से भर गए हैं। श्मशान घाट पर लाशों की कतार लगी है। ये स्थिति हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि भारत में पोलियो और ट्यूबरक्लोसिस के खिलाफ काम कर रहे 2600 एक्सपर्ट्स को कोरोना के खिलाफ काम पर लगा दिया गया है।

बाजार से जल्द खत्म हो जाएगी ऑक्सीनजन और रेमडेसिविर की अनुपलब्धता : गडकरी

नागपुर। देश में कोरोना संक्रमण के इस समय में ऑक्सीजन की भारी किल्लत है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में एक कोविड सेंटर का उद्घाटन करते हुए कहा कि जनता को यह समझना चाहिए कि हम मुश्किल समय में काम कर रहे हैं। इस समय ऑक्सीजन-दवाई-स्टाफ सभी चीजों की कमी है। उन्होंने कहा कि हमारे पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, लेकिन इस स्थिति में भी हम हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठ सकते। उन्होंने कहा कि कठिनाइयों के बीच से राह निकालनी होगी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा तमाम अड़चनों के बीच लोगों की जान बचाना जरूरी है। हम यह प्रयास ईमानदारी से कर रहे हैं। हमारी पहली कोशिश लोगों की जान बचाने की है। इसके लिए केंद्र सरकार ईमानदारी से प्रयास कर रही है। नागपुर में एक कोविड सेंटर के उद्घाटन में पहुंचे गडकरी ने कहा कि भिलाई से हमें ऑक्सीजन मिल रही है। पहले टैंकरों की दिक्कत थी, लेकिन अब इस समस्या को दूर कर लिया गया है।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इंदौर में की वैक्सीनेशन की समीक्षा, कांग्रेस पर लगाए आरोप

बंगाल चुनाव पर बोले मिश्रा, हम वहां 200 सीटें जीत रहे है

■ इंदौर

वैक्सीन को लेकर कांग्रेस द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद अब बीजेपी ने भी इसी तर्ज पर राजनीति शुरु की है। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बंगाल चुनाव से फ्री होने के बाद इंदौर पहुंचकर वैक्सीनेशन की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी से लेकर दिग्विजय सिंह... किसी ने भी वैक्सीनेशन नहीं करवाया। वे वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई वैक्सीन को भाजपा का बता रहे हैं। कोरोना से रोकथाम का एक मात्र तरीका 100 फीसदी वैक्सीनेशन ही है। उन्होंने ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की किल्लत को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बंगाल में हम 200 से अधिक सीट जीतकर सरकार बनाएंगे। बीजेपी के जीतने पर वे कहेंगे- ईवीएम में गड़बड़ी की थी। प्रदेश में मौत के आंकड़े छिपाने को लेकर उन्होंने कहा कि हम आंकड़े क्यों छिपाएंगे। कोई दंगे तो नहीं हो रहे हैं, यह तो महामारी है। पुलिस जवान के शहीद होने पर उन्हें 50 लाख रुपए की मदद मिलेगी। साथ ही, जेल में बंद करीब साढ़े 4 हजार कैदियों को 60 दिन की पैरोल दी जा रही है। इस दौरान गृहमंत्री से इंदौर सहित प्रदेशभर में ऑक्सीजन की किल्लत और इसकी सप्लाई को लेकर भी सवाल किया गया जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो गाइडलाइन बताई है, उसके अनुसार ऑक्सीजन की सप्लाई प्लेन के जरिए ही की जाएगी। टैंकर उसी माध्यम से जाएंगे और आएंगे। रेल मार्ग से भी ऑक्सीजन की सप्लाई जारी रहेगी। एक अन्य प्रश्न के जवाब में कहा कि हमें सभी का ऑफर स्वीकार है। हमें पता है कि यह ऑफर कागजी है। ऑफर क्यों देना, कलेक्टर को लिखकर दे आओ। एक कांग्रेस विधायक कह रहे थे, मैंने उड़ीसा में पांच टैंकर ऑक्सीजन की व्यवस्था की है। वहां से उठा लो। यह हास्यास्पद है। 35 साल से सांसद हैं, बेटा सांसद है। नेता प्रतिपक्ष हैं। बड़े उद्योगपति हैं, इसके बाद भी पांच टैंकर नहीं ला पा रहे। पहले 15 महीने सरकारी सुविधा ली, अब भी नेता प्रतिपक्ष के रूप में ले रहे हैं। कांग्रेस मरीजों का मखौल उड़ा रही है। 5 लाख ले लो, 10 लाख ले लो, 50 लाख ले लो..। कलेक्टर को दो ना, मीडिया को क्या कह रहे हो? प्रचार कर रहे हो करो, किसी कलेक्टर ने चिट्ठी लौटाई है क्या? आपदा में कांग्रेस का सोशल मीडिया पर मैसेज करने के अलावा कोई योगदान नहीं है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, दिग्विजय सिंह की वैक्सीन लगवाते फोटो देखी क्या? लॉकडाउन और जनता कर्फ्यू तात्कालिक है। कोरोना का स्थाई इलाज वैक्सीन ही है। जिन देशों ने वैक्सीन को प्राथमिकता दी। वहां आज 80 से 90 फीसदी कोरोना नियंत्रण में है। जिस दिन से वैक्सीन आई, इन्होंने विरोध किया। जब कमलनाथ को राजनीति करनी थी, तब करते। डेढ़ साल पहले उन्हें मौका मिला था। वैक्सीन पर राजनीति क्यों। कांग्रेस के किसी पदाधिकारी को अस्पताल में देखा। कोविड सेंटर पर देखा। बिस्तर पर लेटकर मैसेज करना, यही उनका योगदान है। मिश्रा ने कहा कि हम बंगाल में 200 से ज्यादा सीटें जीत रहे हैं। 2 मई को जब वे चुनाव हारेंगे, तो कहेंगे कि ईवीएम में गड़बड़ी थी। कांग्रेस जब चुनाव हारती है, तो कहती है ईवीएम में गड़बड़ी। जब जीत जाती है तो कहती है, भाजपा की हवा खत्म हो गई।

सांवेर, सेवाकुंज, गीता भवन ट्रस्ट हॉस्पिटल में लगेगा ऑक्सीजन प्लांट

इंदौर। प्रदेश में ऑक्सीजन की किल्लत को देखते हुए अब जनप्रतिनिधि प्लांट लगाने के लिए मदद को आगे आ रहे है। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सांवेर समेत दो अन्य अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट निर्माण के लिए 75 लाख रुपए दिए हैं। यह राशि उन्होंने विधानसभा क्षेत्र विकास निधि से स्वीकृत की है। मंत्री सिलावट ने सेवाकुंज हॉस्पिटल कनाड़िया और गीता भवन ट्रस्ट हॉस्पिटल के लिए भी राशि स्वीकृत की है। इन तीनों अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट निर्माण के लिए 25-25 लाख रुपए की राशि दी जा रही है। वहीं, विधायक विशाल पटेल ने भी ऑक्सीजन प्लांट के लिए विधायक 25 लाख रुपए दिए हैं। देपालपुर विधायक विशाल पटेल ने बताया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देपालपुर में ऑक्सीजन प्लांट निर्माण के लिए उन्होंने 25 लाख रुपए विधानसभा क्षेत्र विकास निधि से स्वीकृत की है।

संक्षेप में...

लॉकडाउन को लेकर डाली भ्रामक खबर,ने पहुंचाया जेल

जबलपुर। सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो पोस्ट करना एक युवक को भारी पड़ा। कोतवाली पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ भ्रामक व असत्य सूचना फैलाने का मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा ने लोगों से अपील की है कि वे कोरोना काल में सोशल मीडिया पर किसी तरह की भ्रामक सूचना पोस्ट करने से बचें। कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था। इसमें एमपी में लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने की बात कही जा रही है। इसमें उल्लंघन करने वालों को गोली मारने की बात कही जा रही है। जबकि यह वीडियो एक वर्ष पुराना है। एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा सोशल मीडिया पर खुद इसका खंडन कर चुके हैं।

दतिया पुलिस द्वारा ऑक्सीजन टेकरो को पयलेट की निगरानी में जरूरतमंदों को पहुंचाया गया

दतिया पुलिस द्वारा ऑक्सीजन टेंकरो को पायलेट कर जरूरतमदों को पहुंचाया गया कोरोना महामारी के चलते प्रदेश मैं ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों में ऑक्सीजन की व्यवस्था की जा रही है।जहां पर अति आवश्यक है। वहां पर ऑक्सीजन टैंकरो को भेजा जा रहा है रास्ते में ऑक्सीजन टैंकरों को कोई रोके नहीं एवं ट्रैफिक की समस्या न हो इसको दृष्टिगत रखते हुए ट्रेन के माध्यम से बोकारो झारखंड ऑक्सीजन के टैंकर जिला सागर में आए जहां से ऑक्सीजन के टैंकर प्राप्त करने हेतु जिला पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के निर्देशन में कार्यवाहक निरीक्षक कमल गोयल थाना प्रभारी गोराघाट को मय टीम के सागर भेजा गया जिसके द्वारा ऑक्सीजन के दो टैंकरों को प्राप्त कर पड़ोसी जिले ग्वालियर में सुरक्षित पहुंचाया इसी तरह उनि केहरि सिंह द्वारा ग्वालियर से ऑक्सीजन टैंकर प्राप्त कर दतिया में सुरक्षित स्थान पर पहुंचाए इस प्रकार दतिया पुलिस द्वारा ऑक्सीजन के टैंकरों को जिला सागर से प्राप्त कर ऑक्सीजन की आवश्यकता को देखते हुए जरूरतमंदों को ऑक्सीजन के टैंकरों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने मैं महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है कोरोना महामारी के दृष्टिगत दतिया पुलिस का उक्त कार्य सराहनीय रहा।

गाय को बचाने में पलट गया ट्रक, पुलिस वालों ने बचाया

जबलपुर। गाय को बचाने में एक ट्रक पलट गया। हादसे में ड्राइवर केबिन में फंस गया। हादसे की सूचना डायल-100 पर पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने कांच तोड़कर ड्राइवर को बचाया। इसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार बरगी क्षेत्र के अंतर्गत रैपुरा गांव के पास सोमवार को एक ट्रक एमपी 20 एचबी 1347 गाय को बचाने के चक्कर में पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अचानक गाय ने रोड पर दौड़ लगा दी। ड्राइवर ने ब्रेक लगाया तो ट्रक पलट गया। ड्राइवर केबिन में स्टेरिंग में फंस गया। राहगीरों ने डायल-100 पर सूचना दी। राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल से जबलपुर जिले की डायल-100 को सूचना दी गई। एफआरवी 35 की टीम को

बीना रिफाइनरी के पास बन रहे कोविड सेंटर का शिवराज ने किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने देखी बीना में बन रहे अस्थायी कोविड सेंटर की व्यवस्थाएं

■ बीना

प्रदेश में इंदौर के बाद भोपाल और बीना में बड़े स्तर पर अस्थाई कोविड सेंटर तैयार किए जा रहे है। मंगलवार को सीएम शिवराज सिंह चौहान इसी सेंटर की व्यवस्थाओं को देखने के लिए पहुंचे। उन्होंने आगासौद चक्क के खेत में चल रहे 1000 बेड के अस्थाई कोविड अस्पताल का निर्माण कार्य और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद रिफाइनरी के ऑक्सीजन प्लांट का जायजा भी लिया और ऑक्सीजन सप्लाई की व्यवस्थाओं की जानकारी अधिकारियों से ली। इसी दौरान सागर कलेक्टर दीपक सिंह ने मुख्यमंत्री चौहान को ड्राइंग के माध्यम से 1000 बेड के अस्थाई कोविड अस्पताल के निर्माण और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। इसी दौरान सीएम चौहान ने अधिकारियों से कहा कि यह अस्पताल अभी के लिए नहीं है, इसमें लंबे समय की व्यवस्था कराएं। सकारात्मक सोच के साथ शुरूआत करना है। ताकि कोरोना से जंग जीत सकें। वहीं यदि कोरोना की तीसरी, चौथी लहर आती है तो उसकी तैयारी होनी चाहिए। इसके अलावा अस्थाई कोविड अस्पताल को बारिश का पानी, आग, तूफान जैसे प्राकृतिक आपदाओं से बचाने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि अस्पताल के एक वार्ड में 8 पलंग लगाए जाएंगे। वहीं आईसीयू, आइसोलेशन समेत अन्य सुविधाएं रहेंगी। वाहन के लिए पार्किंग बनाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री चौहान बीना रिफाइनरी के ऑक्सीजन प्लांट को देखने पहुंचे। यहां अधिकारियों ने बताया कि एक ऑक्सीजन प्लांट शुरू कर दिया गया है। वहीं दूसरे ऑक्सीजन प्लांट का ट्रायल चल रहा है। इन्हीं प्लांटों से अस्पताल में ऑक्सीजन की सप्लाई की जाएगी। निरीक्षण के बाद सीएम ने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में अस्पताल की व्यवस्थाओं और कोरोना संक्रमण की रोकथाम को लेकर चर्चा की गई। मंत्री गोपाल भार्गव सहित अन्य उपस्थित थे।

ड्राइंग दिखा अफसरों ने बताईं अस्पताल की व्यवस्थाए

दतिया पुलिस द्वारा ऑक्सीजन टेकरो को पयलेट की निगरानी में जरूरतमंदों को पहुंचाया गया

■ दतिया

पुलिस द्वारा ऑक्सीजन टेंकरो को पायलेट कर जरूरतमदों को पहुंचाया गया कोरोना महामारी के चलते प्रदेश मैं ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों में ऑक्सीजन की व्यवस्था की जा रही है।जहां पर अति आवश्यक है। वहां पर ऑक्सीजन टैंकरो को भेजा जा रहा है रास्ते में ऑक्सीजन टैंकरों को कोई रोके नहीं एवं ट्रैफिक की समस्या न हो इसको दृष्टिगत रखते हुए ट्रेन के माध्यम से बोकारो झारखंड ऑक्सीजन के टैंकर जिला सागर में आए जहां से ऑक्सीजन के टैंकर प्राप्त करने हेतु जिला पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के निर्देशन में कार्यवाहक निरीक्षक कमल गोयल थाना प्रभारी गोराघाट को मय टीम के सागर भेजा गया जिसके द्वारा ऑक्सीजन के दो टैंकरों को प्राप्त कर पड़ोसी जिले ग्वालियर में सुरक्षित पहुंचाया इसी तरह उनि केहरि सिंह द्वारा ग्वालियर से ऑक्सीजन टैंकर प्राप्त कर दतिया में सुरक्षित स्थान पर पहुंचाए इस प्रकार दतिया पुलिस द्वारा ऑक्सीजन के टैंकरों को जिला सागर से प्राप्त कर ऑक्सीजन की आवश्यकता को देखते हुए जरूरतमंदों को ऑक्सीजन के टैंकरों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने मैं महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है कोरोना महामारी के दृष्टिगत दतिया पुलिस का उक्त कार्य सराहनीय रहा।

जबलपुर सीएसपी अखिलेश गौर ने राहत कोष में जमा कराया एक महीने का वेतन

■ जबलपुर

प्रदेश में कोरोना काल में जरुरतमंदों की मदद के लिए कई सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधियों के बाद अब प्रशासनिक अधिकारी भी सामने आ रहे है। जबलपुर में ऐसा ही प्रयास गोहलपुर सीएसपी अखिलेश गौर ने किया है। उन्होंने एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा करने का निर्णय लिया है। सीएम को पत्र लिखते हुए कहा है कि ऐसा वे अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर कर रहे हैं। सीएसपी ने सीएम को संबोधित पत्र में लिखा है, एक माह से कई परिवारों ने सदस्यों को खोया है। कई लोगों ने रोजगार खोया है। संकट की घड़ी में शासन-प्रशासन ऐसे लोगों के साथ भावनात्मक और आर्थिक रूप से खड़ा है। इस समय जनता को अधिकारियों की सेवा और त्याग भाव की आवश्यकता है। इससे लोगों में शासन व्यवस्था के प्रति विश्वास पैदा होगा और हमें सहयोग मिलेगा। जनता के बिना सहयोग के इस महामारी से लड़ना कठिन है। मेरा विश्वास है कि बूंद-बूंद से सागर बनता है, इसलिए इसे स्वीकार करें, ताकि इससे प्रेरित होकर जनसेवा कर सकूं।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर का भ्रमण कर लाक डॉउन का लिया जायजा

दतिया कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सड़कों पर उतरे कलेक्टर संजय कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ लोगों की सुरक्षा के अपनी जान की परवाह न करते हुए नगर में लगातार भ्रमण कर रहे हैं।कलेक्टर संजय कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने नगर का भ्रमण कर लाक डॉउन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलते पाए गए लोगों को समझाईश देते हुए स्पष्ट हिदायत दी कोरोना से बचना है तो घर पर रहना होगा। भ्रमण के दौरान निकल रहे लोगों से पूछताछ की संतुष्ट जनक जवाब मिलने पर ही लोगों को जाने दिया।वे बजह घूम रहे लोगों को समझाइश दी। इस दौरान अपर कलेक्टर, डीएसपी सुश्री दिव्या राजावत, एके चॉदिल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोरोना योद्धा डीपार कार्यवाहक उनि.को पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई श्रद्धांजलि

■ दतिया।

कोरोना योद्धा कार्यवाहक उनि सुखेन्द्र सिंह कुशवाहा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। उनि. सुखेंद्र सिंह कुशवाह को कार्यवाहक उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए थे। एवं थाना डीपार में अपने कर्तव्यो का निर्वाहन कर रहे थे की वैश्विक महामारी कोरोना ड्यूटी में आमजन को सुरक्षित रखते हुए। उनि. सुखेन्द्र कुशवाह ड्यूटी के दौरान संक्रमित हो गए थे जिन्हें ग्वालियर मे ईलाज हेतु भती कराया गया था। लगातार कोरोना से जंग लड़ते हुए मंगलवार को सुबह शहीद हो गए। बुधवार को पुलिस लाइन दतिया में शहीद कार्यवाहक उप निरीक्षक सुखेंद्र सिंह कुशवाहा को पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री दिव्या राजावत, रक्षित निरक्षक रविकांत शुक्ला, कार्यवाहक निरीक्षक रविंद्र शर्मा थाना प्रभारी बड़ोनी,डीपार उप निरीक्षक वैभव गुप्ता ,थाना प्रभारी , सूबेदार अजय सिंह, पत्रकार बंधुओं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के तथा पुलिस लाइन के कमर्चारियों द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पुलिस की मौजूदगी में परिजनों को दी समझाइश तो रुके दो बाल विवाह

सागर। शादी ब्याह के सीजन में मालवा के बाद अब सागर में बाल विवाह के मामले सामने आ रहे है।ऐसे ही दो मामले जिले अलग-अलग स्थानों से सामने आए है। जिन्हें विशेष किशोर इकाई और चाइल्ड लाइन की टीम ने पहुंचकर रूकवाया है। नाबालिगों के परिजन को पुलिस ने समझाइश दी। दरअसल, सुरखी थाना क्षेत्र के ग्राम करैया में बाल विवाह होने की सूचना मुखबिर ने विशेष किशोर इकाई को दी। मौके पर पहुंचकर टीम ने लड़की की जन्म तारीख से संबंधित दस्तावेज देखे। इसमें नाबालिग 13 वर्ष 9 माह की होना पाई गई। समझाइश के बाद परिजन मान गए। इसी तरह टिकीटोरिया मंदिर परिसर में नाबालिग की शादी रुकवाई गई।

हक की लड़ाई

सिंगाजी ताप परियोजना में काम कर रहे मजदूरों ने किया पेटी कांट्रेक्टर का विरोध

मांगों के समर्थन में मजदूरों ने किया कंपनी का घेराव

■ खंडवा

संत सिंगाजी ताप परियोजना में काम कर रहे मजदूरों ने अपनी मांगों के समर्थन में कंपनी आफिस का घेराव कर दिया। मामला मंगलवार का है जहां प्रबंधन की नीति का विरोध में मजदूरों ने काम बंद कर दिया। उनका आरोप है कि पेटी कॉन्ट्रैक्टर कंपनी से जुड़े अधिकारियों को खुश करने के चक्कर में उनका हक मार रहे है। मजदूरों ने कहा, कोयले की भट्टी में 8 घंटे बिना सेफ्टी की ड्यूटी करते हैं। पेटी कॉन्ट्रैक्टर ने कोई सुरक्षा संसाधन उपलब्ध नहीं कराए। विरोध करने पर नौकरी से निकालने की धमकी मिलती है। स्थानीय नेता, श्रम विभाग व परियोजना अफसरों की मिलीभगत के चलते लोगों के जान गंवानी पड़ सकती है। परियोजना के फेज वन में कोल किलिंग काम करने वाले मजदूरों ने विरोध प्रदर्शन कर मांग की, कोविड को देखते हुए कंपनी में रूट मैन का काम करने वाले मजदुर व इलेक्ट्रिशियन की ड्यूटी 12 घंटे की जगह 8 घंटे कर दी गई है। इसी तरह, कोल किलिंग में काम करने वाले मजदूरों की ड्यूटी भी 8 घंटे की बजाय 6 घंटे की जाए। मजदूरों को कंपनी के अफसरों ने दो टूक में कह दिया कि आपकी सेवाएं पेटी कॉन्ट्रैक्टर के हाथ में हैं। इसके बाद मजदूरों ने पेटी कॉन्ट्रैक्टर का विरोध किया और कमियां बताईं। पेटी कॉन्ट्रैक्टर सत्ता में बैठे नेताओं के दबाव से ऐसी बड़ी-बड़ी कंपनियों से मजदूरों का ठेका लेते हैं और मजदूरों का अधिकार छीन लेते हैं। यही नहीं, इन मजदूरों को सेफ्टी के नाम पर कुछ नहीं देते।

मजदूरों ने कहा- विरोध करने पर काम से निकालने की धमकी देते हैं। हमारे पास जूते नहीं है, हमें ही खुद खरीद कर लाना पड़ता है। मजदूरों को कोयले की चूरी में कैनाल के अंदर काम करना पड़ता है। हेलमेट से लेकर मास्क तक नहीं दिए जाते। वेतन के नाम पर 8100 रुपए प्रतिमाह देते हैं। पेटी कॉन्ट्रैक्टर पैसे बचाने के लिए इन मजदूरों को कोई व्यवस्था नहीं देते। मजदूरों ने बताया, कोयले की चूरी में काम करने से कोयला मुंह के सहारे अंदर चले जाता है। 3 वर्षों में मजदूरों का मेडिकल टेस्ट नहीं कराया। सिर्फ शोषण कर जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। बावजूद जिला मुख्यालय पर बैठे श्रम विभाग व मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी के सेफ्टी अधिकारी मजदूरों का हाल नहीं जानते। इस मामले में अधीक्षण अभियंता, सीएचसी बीएस चुंडावत ने कहा कि मजदूरों ने ड्यूटी टाइम कम करने की मांग रखी है। गाइडलाइन अनुसार 8 घंटे ही काम कराया जा रहा है।

पकड़ में आया नर्स का भाई, बेच रहा था नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन

रतलाम। इंदौर-भेपाल के बाद प्रदेश के कई हिस्सों में रेमडेसिविर की कालाबाजारी के मामले सामने आ रहे है।ऐसा ही मामल रतलाम से आया है जहां नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाने का बड़ा रैकेट पकड़ा गया है। भाई यह गिरोह नर्स बहन के साथ मिलकर चलाता था। बहन मेडिकल कॉलेज से उसे रेमडेसिविर इंजेक्शन की शिशी लाकर देती थी। भाई इसमें सामान्य एंटीबायोटिक सेफ्ट्रिक्सोन पाउडर मिलाकर उसे फेवीक्विक से फिर से पैक कर देता था। इंजेक्शन के खाली खोखे पर लिखे हुए मरीज के नाम को सैनिटाइजर से मिटा कर उसे कालाबाजारी करने वालों को 6 से 8 हजार रुपए में बेच देता था।

गिरफ्त में ऐसे आया गिरोह

पुलिस ने शनिवार रात को जीवांश हॉस्पिटल पर दबिश देकर वहां के दो ड्यूटी डॉक्टर को 30 हजार लेकर इंजेक्शन की डिलीवरी देते रंगे हाथ पकड़ा था। यहां से डॉक्टर उत्सव नायक और डॉक्टर यशपाल सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ में हुए खुलासे पर फरार आरोपी प्रणव जोशी को मंदसौर से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद मेडिकल कॉलेज की नर्स रीना प्रजापति, उसके भाई पंकज प्रजापति, गोपाल मालवीय और रोहित मालवीय का नाम सामने आए। चारों को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकली इंजेक्शन, औजार और अन्य सामान जब्त किया है। जब्त किए गए नकली इंजेक्शन और सामग्री को फॉरेंसिक जांच के लिए सागर भेजा जाएगा।

संक्षेप में...

मंत्री बोले-बालाजी को नारियल चढ़ाओ, सब ठीक हो जाएगा

जोधपुर । जोधपुर के सांसद और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत की कोरोना मरीज के परिजन को दी एक सलाह चर्चा में है। दरअसल, मंत्री जी जोधपुर के अस्पतालों में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे। अस्पताल में एक मरीज के परिवार की दो महिलाओं ने इस दौरान उनसे मदद मांगी। इस पर शेखावत ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा, डॉक्टर अपना काम कर रहे हैं, आप बालाजी महाराज को नारियल चढ़ा देना, भगवान सब ठीक कर देंगे। इतना कहकर शेखावत आगे बढ़ गए। बाद में शेखावत ने कहा कि डॉक्टरों के इलाज के साथ ही भगवान में आस्था रखने में कुछ भी गलत नहीं है। शेखावत ने बाद में कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजन को ढाढस बंधाना किसी भी तरह से गलत नहीं है। एक परेशान मां को दवा और दुआ दोनों पर भरोसा दिलाना मेरे कर्तव्य के दायरे में आता है और वही मैंने निभाया। मैं अस्पतालों की व्यवस्था जांचने ही गया था और सब देखने के बाद ही कहा कि डॉक्टर अपना काम कर रहे हैं। मैं बता दूं कि मुझे वहां दिन-रात ड्यूटी कर रहे डॉक्टरों द्वारा किए जा रहे इलाज पर कोई संदेह नहीं है। निश्चित रूप से वे अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह निभा रहे हैं। लेकिन मरीज और उसके परिवार वालों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखना भी जरूरी होता है, मैंने जो कहा सामाजिक व्यवहार में वह बहुत सामान्य बात है।

मास्क न लगाने पर कैलिफोर्निया गवर्नर को हटाने की वोटिंग

वॉशिंगटन । कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजोम को कोरोना पाबंदियों को तोडे और लापरवाही बरतने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। विपक्षी दलों ने गवर्नर के पद से हटाने के लिए राज्य के 16 लाख लोगों के सिग्नेचर हासिल कर लिया है। अब अमेरिका के इस राज्य में लोग अपना गवर्नर दोबारा चुनने के लिए वोट करेंगे। हालांकि, उन्हें जो मतपत्र दिया जाएगा उसमें वर्तमान गवर्नर गेविन न्यूजोम को पद पर बनाए रखने का विकल्प भी शामिल होगा। बताया जा रहा है कि कैलिफोर्निया में गवर्नर को पद से हटाने के लिए कम से कम 10 लाख लोगों के सिग्नेचर की जरूरत थी, लेकिन विपक्षी पार्टियों ने इससे 6 लाख ज्यादा लोगों का समर्थन जुटा लिया। कैलिफोर्निया के इस गवर्नर पर आरोप है कि उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के दौरान काफी लापरवाही बरती हैं। नवंबर 2020 में जब अमेरिका कोरोना संक्रमण से बुरी तरह जूझ रहा था, तब न्यूजॉम अपने राजनीतिक सलाहकार के जन्मदिन के लिए एक फैंसी रेस्तरां में भोजन करते हुए दिखाई दिए थे। वे खुद तो बाहर घूमकर लोगों को घर में रहने की अपील कर रहे थे।

मंगल पर नासा के हेलिकॉप्टर की तीसरी सफल उड़ान

वॉशिंगटन । अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के इनजेनिटी हेलिकॉप्टर ने मंगल ग्रह पर तीसरी बार सफल उड़ान भरी है। इस दौरान हेलिकॉप्टर 16 फीट की ऊंचाई तक गया और 164 फीट की दूरी तय की। उड़ान के समय हेलिकॉप्टर की अधिकतम रफ्तार 6.6 फीट प्रति सेकंड रही, जो पहले की स्पीड से चार गुना ज्यादा है। नासा ने बताया कि इस पूरे अभियान का वीडियो क्लिप आने वाले दिनों में जारी किया जाएगा। इनजेनिटी प्रोजेक्ट के प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव डेव लैवरी ने कहा कि आज की उड़ान वही थी जो हमने प्लान की थी और फिर भी यह किसी कमाल से कम नहीं था। 80 सेकेंड की इस उड़ान को नासा के परसेवेरेंस रोवर में लगे मास्टकैम जेड के जरिए शूट किया गया है।

इंडोनेशियाई नौसैनिकों को पहले से ही था मौत का अंदेशा

जकार्ता । इंडोनेशियाई नौसेना ने कुछ दिनों पहले समुद्र में डूबी अपनी पनडुब्बी केआरआई नांगला 402 का आखिरी वीडियो जारी किया है। दिल को छू लेने वाले इस वीडियो में पनडुब्बी में सवाल नौसैनिक फेयरवेल गीत गाते दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के एक्सीडेंट के कुछ हफ्ते पहले ही शूट किया गया था, जिसमें नौसैनिक इंडोनेशियाई सैंपई जम्पा नाम का हिट इंडोनेशियाई गीत गा रहे हैं। पिछले बुधवार को एक युद्धाभ्यास से पहले टॉरपीडो ड्रिल के दौरान इंडोनेशियाई नौसेना की पनडुब्बी केआरआई नंगला बाली के नजदीक समुद्र में गायब हो गई थी। चार दिनों की खोजबीन के बाद रविवार को नौसेना ने इस पनडुब्बी के डूबने की पुष्टि करते हुए सभी 53 नौसैनिकों के मारे जाने की खबर दी थी।

कोरोना के खिलाफ तेज होगी लड़ाई

रूसी वैक्सीन स्पुतनिक-वी की पहली खेप 1 मई को भारत आएगी

■ **नईदिल्ली**

कोरोना वायरस से भारत में बिगड़ते हालातों के बीच कई देश मदद के लिए आगे आए हैं। अमेरिका ने वैक्सीन के लिए जरूरी रॉ मटेरियल सप्लाई करने का वादा किया है तो ब्रिटेन और फ्रांस से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर आ रहे हैं। इस बीच वायरस के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार मानी जा रही वैक्सीन पर रूस से अच्छी खबर आई है। भारत को रूस की स्पुतनिक-वी वैक्सीन की पहली खेप 1 मई को मिल जाएगी।

देश में अचानक आई वैक्सीन की कमी को देखते हुए भारत सरकार ने इसे मंजूरी दी थी। वैक्सीन के प्रोडक्शन और प्रचार का काम रूसी डायरेक्ट इंवेस्टमेंट फंड कंपनी देख रही है। सीईओ किरिल दिमित्रिएव ने कहा है कि अभी भारत में हर महीने 5 करोड़ डोज बनाए जाएंगे। गर्मी का महीना बीतने के बाद कंपनी प्रोडक्शन और बढ़ाएगी। भारत के 5 बड़े वैक्सीन निमार्ताओं के साथ एक साल में 85 करोड़ (850 मिलियन) डोज बनाने का करार किया गया है।

कंपनी का दावा- 18,794 मरीजों पर ट्रायल किया

स्पुतनिक-श बनाने वाले गैमेलिया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबॉयोलॉजी का दावा है कि कोरोना से लड़ने में वैक्सीन 95% असरदार साबित हुई है। ट्रायल में वैक्सीन ने पहला डोज देने के 28 दिन बाद 91.4% इफेक्टिवनेस दिखाई। पहले डोज के 42 दिन बाद यह बढ़कर 95% हो गई। वैक्सीन के दो डोज 39 संक्रमितों के अलावा 18,794 दूसरे मरीजों को दिए गए थे। रूस के लोगों के लिए ये वैक्सीन फ्री है। दुनिया के दूसरे देशों के लिए इसकी कीमत 700 रुपए से कम तय की गई है। कंपनी का कहना है कि स्पुतनिक-श की संभावित कीमत दूसरी वैक्सीन के मुकाबले काफी कम है।

भारत में हालात दिल दहलाने वाले

इससे पहले हल्ड (विश्व स्वास्थ्य संगठन) भी भारत में बढ़ते कोरोना केस पर चिंता जता चुका है। संगठन के प्रमुख डॉ. टेड्रोस गेब्रेयेसस ने कहा कि भारत में इस समय हालात दिल दहलाने वाले हैं। बीते कुछ दिनों में वहां कोरोना के मरीज तेजी से बढ़े हैं। मरीजों के परिजन अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की व्यवस्था के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हालात का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राजधानी दिल्ली में एक हफ्ते का लॉकडाउन लगाना पड़ा। टेड्रोस ने कहा कि भारत कोविड-19 की भयानक लहर के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है। अस्पताल मरीजों से भर गए हैं। श्मशान घाट पर लाशों की कतार लगी है। ये स्थिति हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि भारत में पोलियो और ट्यूबरक्लोसिस के खिलाफ काम कर रहे 2600 एक्सपर्ट्स को कोरोना के खिलाफ काम पर लगा दिया गया है।

पाकिस्तान में अब तक केवल 0.2 प्रतिशत लोगों ने ही लगवाई कोरोना वैक्सीन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सरकार अलग-थलग पड़ती दिख रही है। पाकिस्तानी लोग सरकार के सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिदेशों के बावजूद वैक्सीन लगवाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। बलूचिस्तान के कोविड-19 टीकाकरण सेल के समन्वयक डॉ.वसीम बेग ने बताया सरकार टीकाकरण से जागरूकता फैल रही है, लेकिन लोग टीकाकरण के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। हमने एक डोर-टू-डोर सेवा शुरू की है, लेकिन लोग वैक्सीन को लेकर अनिच्छुक हैं। केवल शिक्षित लोग ही टीकाकरण करवा रहे हैं। बेग ने कहा कि वे टीकों से डरते हैं। उन्हें डर है कि वैक्सीन की वजह से कुछ हो सकता है। हमने समाचार पत्रों, उलेमा (मौलवियों), वरिष्ठ डॉक्टरों के साक्षात्कार और सोशल मीडिया के माध्य से लोगों को टीकाकरण के लिए जागरूक किया है। इसके बावजूद अभी भी बहुत कम लोग वैक्सीन लगवाने सामने आ रहे हैं। विभिन्न देशों में टीकाकरण अभियान ने दुनिया भर में तीसरी लहर के प्रभाव को रोकने में अहम भूमिका निभाई है। पाकिस्तान में अभी तक सिर्फ आठ लाख लोगों ने टीके लगवाए हैं। यह आंकड़ा वहां की आबादी का केवल 0.2 प्रतिशत है। कुंवर खुलदून शाहिद ने अपने एक आलेख में बताया है कि इस दर से पाकिस्तान को अपने 22 करोड़ लोगों को टीका लगवाने में साढ़े चार साल का समय लगेगा। इजरायल में पहले से ही 60 फीसदी आबादी का टीकाकरण हो चुका है।छह गुना अधिक लोगों को टीका लगा दिया है। पाकिस्तान के कराची, इस्लामाबाद, मुल्तान और पेशावर जैसे शहरी केंद्रों के साथ पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा जैसे शहरी केंद्रों में भी लोग टीका लगवाने से पहरहेज कर रहे हैं।

टॉप 40 अमेरिकी कंपनियां भारत भेजेंगे 20,000 ऑक्सीजन मशीनें

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका की शीर्ष 40 कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कोरोना के खिलाफ जारी लड़ाई में भारत की मदद के लिए वैश्विक कार्यबल के गठन के लिए एकजुट हुए हैं। डेलोइट के सीईओ पुनीत रंजन ने बताया कि यूएस चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स की यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल और यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम एंड बिजनेस राउंडटेबल की सामूहिक पहल कार्य बल ने यहां एक बैठक में अगले कुछ हफ्तों में भारत में 20,000 ऑक्सीजन मशीनें भेजने की प्रतिबद्धता जताई है।

महामारी पर यह वैश्विक कार्यबल भारत को अहम चिकित्सा सामान, टीके, ऑक्सीजन और अन्य जीवनरक्षक सहायता मुहैया कराएगा। किसी देश में जन स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए बने अपनी तरह के पहले वैश्विक कार्य बल को अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने संबोधित किया।

ब्लिंकन ने ट्वीट किया कि यह बातचीत दिखाती है कि कैसे भारत के कोविड-19 संकट के समाधान के लिए अमेरिका और भारत अपनी विशेषज्ञता और क्षमताओं का लाभ उठा सकता है। रंजन ने एक सवाल के जवाब में कहा सप्ताहांत में अमेरिका की कई कंपनियां एक साथ आई। हम हरसंभव मदद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

ब्रिटेन और यूरोप जैसी स्थिति का सामना कर रहा है भारत

जोहानिसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री ज्वेली मखीजे ने कहा कि भारत में रोजाना बड़ी संख्या में संक्रमण के मामले सामने आने से कोविड-19 का वैसा ही संकट खड़ा हो गया है, जैसा दुनिया के दूसरे हिस्सों में पहले देखा जा चुका है। मंत्री से राष्ट्रीय सार्वजनिक प्रसारक सीएबीएस पर पूछा गया कि भारत में जारी व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम मौजूदा लहर को क्यों नहीं रोक पाया है। मखीजे ने कहा, अलग-अलग देशों के समान अनुभव रहे हैं। एक ओर वहां टीकाकरण चल रहा है तो दूसरी ओर अगली लहर भी आ रही है, लिहाजा आप पक्के तौर पर यह नहीं कह सकते कि टीकाकरण इसे रोक देगा। उन्होंने कहा, भारत जिस स्थिति का सामना कर रहा है, ब्रिटेन और यूरोपीयीय देशों के साथ भी ठीक वैसी ही समस्या थी। हमने अपने देश में बिना किसी टीके के दूसरी लहर का सामना किया और ऐहतियाती उपायों (मास्क और भौतिक दूरी) के दम पर मामलों की संख्या काबू में रखने में कामयाब रहे।

शराब के दाम बढ़े, बड़े ब्रांड

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

महामारी के दौर में पाकिस्तान में शराब की कालाबाजारी तेजी से बढ़ रही है। हालात ये हो गए हैं कि लोग दो से तीन गुना दाम चुकाने के तैयार है। कालाबाजारी करने वाले बड़े-बड़े ब्रांड की शराब में पानी तक मिलाकर बेच रहे हैं। डॉयचे वेले की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में मुस्लिमों के लिए शराब पीना आधिकारिक तौर पर बैन है। लेकिन एक बड़ी आबादी ऐसी भी है, जो इन प्रतिबंधों की अनदेखी कर शराब का इस्तेमाल करती है। दक्षिणी सिंध प्रांत में गैर-मुस्लिम ग्राहकों के लिए शराब की दुकानें वैध हैं।कराची में ऐसी ही एक

दुकान पर काम करने वाले हिंदू युवा राहुल बताते हैं कि वे उन सभी को शराब देते हैं, जो उन्हें पैसे देते हैं। वे कहते हैं- हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, कई लोग शराब पीते हैं। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पीने वाले का धर्म क्या है। हालांकि, राहुल यह भी मानते हैं कि सतर्क रहना काफी जरूरी है। राहुल हर महीने 50 हजार रुपए तक कमाते हैं।

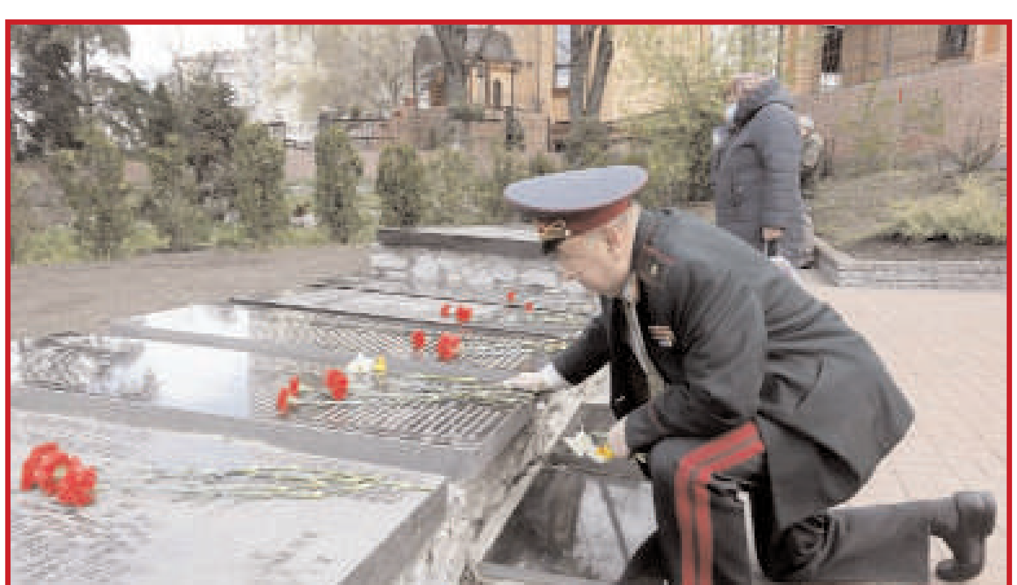

कीव में यूक्रेन की सेना का एक जनरल चेरेनोबियल हादसे को शिकार हुए लोगों के स्मारक पर पुष्प अर्पित करते हुए।

हथियारों पर पैसा लुटाने में पीछे नहीं है दुनिया

स्टॉकहोम । दुनिया भर कोरोना महामारी के बावजूद हथियारों की होड़ जारी है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुल वैश्विक सैन्य खर्च साल भर में 150 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ गया। 2019 के मुकाबले 2020 में इसमें 2.6त्न की बढ़ोतरी हुई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक पिछले साल सैन्य खर्च पर देशों ने 146 लाख करोड़ रुपए खर्च किए। 2009 की मंदी के बाद यह सबसे बड़ी सालाना बढ़ोतरी है। 2020 में पांच सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, भारत, रूस और ब्रिटेन शामिल हैं। इन देशों ने कुल सैन्य खर्च का

चीन ने मेडिकल सप्लाई ले जा रही कार्गो उड़ानें रोकीं

बीजिंग। अमेरिका सहित कई देशों ने कोरोना संकट के दौर में भारत के लिए मदद की पहल की। लेकिन चीन ने मदद की पेशकश करने के बाद मेडिकल सप्लाई में रुकावटें पैदा कर दी हैं। चीन की सरकारी विमानन कंपनी सिचुआन एयरलाइंस ने भारत के लिए अपनी सभी कार्गो उड़ानों को अगले 15 दिनों के लिए रोक दिया है। इन विमानों के जरिए भारत को अतिआवश्यक ऑक्सीजन कसन्ट्रेटर और अन्य चिकित्सीय उपकरणों की आपूर्ति की जा रही थी। इस हरकत के बाद चीन के निजी कारोबारियों से भारत को मेडिकल उपकरण मिलने में परेशानी खड़ी हो गई है। चीनी निमार्ताओं ने ऑक्सीजन संबधी उपकरणों की कीमतों को 35-40% तक बढ़ा दिया है। चीन से भारत को सामान पहुंचाने में लगने वाली फीस में भी 29% की वृद्धि की गई है।

भारत से आने वाले विमानें पर 15 मई तक लगाई रोक

आस्ट्रेलिया सरकार का बड़ा फैसला

न्यूयॉर्क ■ एजेंसी

दुनियाभर में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भारत में कोरोना से बिगड़ते हालातों के बाद ऑस्ट्रेलिया ने भारत से आने वाली सभी फ्लाइट्स पर 15 मई तक रोक लगा दी है।

बीते दिन दुनिया में 6 लाख 72 हजार 914 संक्रमितों की पहचान हुई और 10,767 लोगों की मौत हुई। नए संक्रमितों के आंकड़े की बात करें, तो सोमवार को दुनियाभर में आए केस के 47% मामले सिर्फ भारत में मिले। यहां 3 लाख 19 हजार 435 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई।

उधर, तुर्की में कोरोना पर काबू पाने के लिए लॉकडाउन का ऐलान कर दिया गया है। यह 29 अप्रैल की शाम से लागू होगा और 17 मई तक चलेगा। इस दौरान इंटर सिटी ट्रांसपोर्ट पर भी लगाम लगाई है। ट्रांसपोर्ट सिर्फ 50% क्षमता के साथ ही ऑपरेट कर सकेंगे। लॉकडाउन के दौरान स्कूल-कॉलेज बंद रहेंगे। पाकिस्तान में कोरोना पर काबू पाने के लिए पाबंदियों को लागू कराने के लिए सेना की मदद ली जा रही है। इमरान सरकार ने देश के 16 शहरों में सेना की तैनाती की है। पाकिस्तान में लोगों के लिए मास्क अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, गैर-जरूरी बिजनेस को शाम के 6 बजे के बाद ऑपरेट करने पर रोक लगाई।

अल्फांसो का ऑनलाइन ऑर्डर, एक किसान ने दो करोड़ कमाए

■ **औरंगाबाद**

लॉकडाउन के कारण आम का स्वाद नहीं ले पा रहे हैं, तो परेशान न हों। इस बार कोंकण के बाग मालिकों ने अल्फांसो यानी हापुस का ऑनलाइन ऑर्डर लेना शुरू कर दिया है और होम डिलीवरी की जा रही है। दरअसल, देशभर के अलग-अलग हिस्सों में लॉकडाउन के कारण थोक विक्रेता माल नहीं उठा रहे हैं, इससे परेशान होकर बाग मालिकों ने अपना नेटवर्क बनाकर अल्फांसो आम ऑनलाइन बेचना शुरू कर दिया है।

बाग मालिक प्रशांत पावले कहते हैं- हम अपने नेटवर्क से महानगरों में रहने वालों को दो दिन में ही आम पहुंचा सकते हैं। पिछले 50 दिनों में मैंने डेढ़ लाख आम ऑनलाइन बेचे और 2 करोड़ रुपए कमाए। प्रशांत कहते हैं- 'अल्फांसों की क्वालिटी के कारण ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इसे दूसरे फलों की तरह नहीं बेचा सकता। हम इसे ऑर्डर लेने के तीन-चार दिन पहले ही घास में रखकर पकाते हैं, वह भी बिना किसी रसायन के। हम इसे ग्राहक तक पहुंचाने से पहले सुनिश्चित कर लेते हैं, इसकी क्वालिटी पर कोई असर न पड़ेइ इस साल खुद की वेबसाइट बनाकर लोगों तक हापुस पहुंचाने वाले निखिल खानविल्कर बताते हैं कि हम हरेक अल्फांसो पर क्यूआर कोडिंग स्टीकर पेस्ट करते हैं, ताकि ग्राहकों को भरोसा हो कि यही असली अल्फांसो है। वरना, खुले बाजार में तो पेटी में केसर या दूसरी साधारण किस्मों को मिलाकर इसे आसानी से बेच दिया जाता है।

रिपोर्ट... **आज हर कोई परेशान है, लोग डरे हुए हैं कि आखिर अब क्या होगा?**

25 हजार साल से इंसानों को परेशान कर रहा है कोरोना

लंदन ■ एजेंसी

कोरोना वायरस, जिसकी चर्चा इन दिनों तर तरफ है। ये वायरस लोगों को अपना शिकार बना रहा है, और कई लोगों की तो जान तक ले रहा है। ऐसे में हर कोई परेशान है, लोग डरे हुए हैं और उनका डरना स्वाभाविक भी है। वहीं, अस्पतालों में बेड और ऑक्सीजन की कमी से भी लोग काफी परेशान है। हर कोई बस यही दुआ कर रहा है कि ये कठिन समय जल्द से जल्द बीत जाए। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये कोरोना वायरस आज से धरती पर नहीं है। ये वायरस लगभग 25 हजार साल पहले से इंसानों को परेशान कर रहा है, लेकिन ऐसा एक अध्ययन कह रहा है। दरअसल, इस अध्ययन को यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के

असिस्टेंट प्रोफेसर डेविड एनार्ड ने किया है। हालांकि, इसका अब तक पीयर रिव्यू नहीं हुआ है और साइंस जर्नल में इसके प्रकाशन के लिए रिव्यू किया जा रहा है। प्रोफेसर डेविड ने कहा कि, ये हर समय एक ऐसा वायरस रहा है, जिसने लोगों का बीमार किया और मारा भी है। डेविड ने बताया कि, इंसानों की तरह ही वायरस भी पीढ़ी दर पीढ़ी अपने नए जीनोम के जरिए आगे बढ़ते रहे हैं।

हर प्रकार के रोगाणु अपनी पीढियों में लगातार बदलाव करते हैं: महज वायरस ही नहीं बल्कि ये प्रक्रिया हर प्रकार के पैथोजेन यानी रोगजनकों के साथ होती है। रोगाणु अपनी पीढियों में लगातार बदलाव करते हैं, ताकि वो भी प्रकृति में सर्वाइव कर सकें। प्रोफेसर डेविड ने बताया कि उनकी टीम ने प्राचीन कोरोना वायरस को खोजने के लिए विश्वभर के 26 अलग-अलग इंसानी आबादी है।

शरीर में 420 प्रकार के प्रोटीन से संपर्क में

वैज्ञानिकों ने जब जांच की तो पता चला कि कोरोना वायरस इंसान के शरीर में 420 प्रकार के प्रोटीन से संपर्क करता है, जिसमें से 332 प्रोटीन सीधे कोरोना खुद इंटरैक्ट करते हैं। वहीं, उनका मानना है कि इस अध्ययन से इस बात में मदद मिलेगी कि भविश्य में किस तरह के वायरस आ सकते हैं और ये किस तरह के लोगों को संक्रमित करेगा। वहीं, पूर्वी एशिया की इंसानी आबादी वाले लोगों में ऐसे जींस मिले हैं, जिनका संपर्क प्राचीन कोरोना वायरस से हुआ था। यही नहीं, इसका प्रमाण उनके शरीर में अब भी मौजूद है। दुनियाभर में कई ऐसे कोरोना वायरस हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी ज्यादा बार बाहर निकले और लोगों को बीमार किया। पूर्वी एशिया के लोगों की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हो गई। ऐसा इसलिए क्योंकि वो ज्यादा बार कोरोना की चपेट में आए और उनके शरीर में कोरोना वायरस के खिलाफ लडे के लिए एंटीबॉडी बनती चली गई। प्रोफेसर डेविड की टीम ने देखा कि कोरोना वायरस से संपर्क में आने वाले इंसान के शरीर के 420 प्रोटीन के 42 कोड्स होते हैं और ये कोड्स 25 हजार साल पहले से लेकर पांच हजार साल पहले तक लगातार खुद को म्यूटेट और इवॉल्व करते रहे।

सूरत एयरपोर्ट पर हंगामा, फ्लाइट में बैठने गए तो कहा-रिपोर्ट जरूरी

सूरत। एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की भुवनेश्वर फ्लाइट के 100 से ज्यादा यात्रियों ने उस समय हंगामा कर दिया जब उनसे आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट मांगी गई। एयर इंडिया ने कहा कि ओडिशा सरकार ने कहा है कि बिना आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट के हम एक भी यात्री अपने यहां नहीं लेंगे। इसकी वजह से 75 यात्रियों को लौटा दिया गया। इनके पास आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट नहीं थी। सिर्फ 52 यात्रियों को फ्लाइट में बैठने दिया गया। इनके पास आरटीपीसी की निगेटिव रिपोर्ट थी। फ्लाइट में कुल 127 यात्रियों की बुकिंग थी। फ्लाइट डिपार्चर के लगभग दो घंटे पहले चेकइन करने से पहले यात्रियों को बताया गया कि आरटीपीसीआर की रिपोर्ट अनिवार्य है। यह सुनकर यात्री हैरान हो गए। उनका कहना था कि हमें इसकी सूचना फोन या मैसेज के जरिये नहीं दी गई थी। यात्री हंगामा करने लगे। एयरपोर्ट की पुलिस जब स्थिति नहीं संभाल पाई तो डूमस पुलिस स्टेशन से 15 पुलिस जवानों को बुला लिया। इस संबंध में एयर इंडिया के सूरत एयरपोर्ट मैनेजर आर वेंकटरमण को पांच बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने न फोन उठाया न बाद में ही कोई जवाब दिया।

संपादकीय

समय रहते आई अक्ल

आखिरकार अमेरिका को समझ में आ गया कि कोविड महामारी से जंग में टीकों की कितनी अहमियत है। उसने आश्वासन दिया है कि कोविशील्ड वैक्सीन बनाने में जो खास चीजें जरूरी होती हैं, उन्हें वह भारत को फौरन मुहैया कराएगा। इनके निर्यात पर अमेरिका ने रोक लगा दी थी। कोविड वैक्सीन के मामले में इस साल जनवरी में अमेरिका ने 1950 की कोरिया वॉर के दिनों का एक कानून लागू कर दिया। उस कानून का मकसद था युद्ध में काम आनेवाले साजोसामान की आपूर्ति की दिक्कतें दूर करना। बाद के दिनों में नेशनल इमर्जेंसी की हालत में भी यह कानून लागू करने की मंजूरी दी गई। जो बाइडेन के नेतृत्व में अमेरिका ने इसे लागू कर दिया कोविड वैक्सीन के मामले में। टीके बनाने में काम आने वाली करीब 37 चीजों का निर्यात रोक दिया गया ताकि अमेरिका में फाइजर, बायोएनटेक और जॉनसन एंड जॉनसन जैसी कंपनियों के टीके जोरशोर से बनाए जा सकें। ये खास चीजें यूरोप की कंपनियां भी बनाती हैं, लेकिन वे बड़ी सप्लायर नहीं हैं। लिहाजा भारत और यूरोप में टीके बना रही कंपनियां दिक्कत में फंस गईं। कोविशील्ड बनाने वाली सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने निर्यात खोलने की गुहार लगाई बाइडेन से, तो कोवैक्सीन बना रही भारत बायोटेक के सीएमडी डॉ कृष्णा एल्ला ने भी चिंता जताई।

आखिर में भारत और अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बातचीत से राह निकली। अमेरिका ने तय किया है कि कोविशील्ड बनाने में काम आने वाली चीजों की आपूर्ति भारत को जल्द की जाएगी। दूसरे जीवन रक्षक उपकरण भी भेजेगा अमेरिका। अमेरिका पहले ही करोड़ों डोज के लिए कंपनियों से करार कर चुका है। एस्ट्राजेनेका के टीके के दो करोड़ डोज उसके पास पड़े हुए हैं। ऐसे में कच्चे माल का निर्यात रोकने का फैसला कहीं से भी जायज नहीं था। खैर, जो बाइडेन को याद आ गया कि महामारी के शुरूआती दौर में भारत ने अमेरिका की मदद की थी। उन्होंने ट्वीट किया कि जरूरत के वक्त अब मदद करने की बारी अमेरिका की है। अमेरिका को यह भी याद आया होगा कि सीरम केवल भारत के लिए कोविशील्ड नहीं बना रही। उसका एक बड़ा हिस्सा दूसरे देशों के काम आएगा। वैक्सीन डिप्लोमैसी के मोर्चे पर भी अमेरिका की भद पिट रही थी। अच्छा है कि अमेरिका ने समय रहते यह बात समझ ली कि महामारी से जंग अकेले-अकेले नहीं, मिलकर लड़नी होगी। सिर्फ कोविशील्ड नहीं, सभी वैक्सीनों के कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

ऑपरेशन ऑक्सीजनः अपने ही प्राण बचाने में जुटा देश

अजय बोकिल

> "चीन, जिसे सारी दुनिया 'कोरोना का जनक' मानती है, वहां वुहान में कोरोना से हुई बड़ी तादाद में मौतों के बाद मानो कोरोना ने चीन छोड़कर बाकी देशों में डेरा जमा लिया है। कुछ राज्यों ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बाद भी ऑक्सीजन के मामले में परस्पर सहयोग शुरू कर दिया है। सरकार के भरोसे रहने के बजाय लोग खुद एक दूसरे की मदद कर इंसानियत की मशाल जलाए हुए हैं। यूं सरकार ने खुद हर जिले में ऑक्सीजन प्लांट लगाने का ऐलान कर दिया है, लेकिन कब प्लांट लगेगा, कब उसमें ऑक्सीजन बनेगी, कब सप्लाई होकर अस्पताल पहुंचेगी।"

बड़ा क्षुब्ध करने वाला परिदृश्य है। पूरा देश ऑपरेशन ऑक्सीजन में जुटा हुआ है। मानो हम अपने ही प्राण बचाने में लगे हैं। मगर अफसोस कि यह काम भी प्राण पण से नहीं हो रहा। लोगों की टूटती सांसों के बीच भी राजनीति का खेला बेशर्मी से जारी है तो इस गमगीन माहौल में आईपीएल में मारे जाने वाले हर चौके छक्के पर तालियां बजाने और इससे होने वाली कमाई को अपरिहार्य मानने वाली बीसीसीआई और उन खिलाड़ियों की भी बलिहारी, जिनमें से कई के नाते रिश्तेदार कोविड से जूझ रहे हैं। गजब दुस्साहस उन साधु-संतों का भी, जो अभी भी कुंभ का आखिरी स्नान करने के बाद ही वहां से हिलने वाले हैं, जबकि हरिद्वार में कोरोना संक्रमित तेजी से बढ़ रहे हैं। लानत देश के उन अमीरों पर भी जो ऑक्सीजन की किल्लत से घबराकर खुद को बचाने विदेश भाग गए हैं या भागने की फिराक में हैं।

यह सोच कर कि ये लोग हमसे क्या खाकर मुकाबला करेंगे। हालांकि और कई देशों ने मानवता के आधार पर भारत को ऑक्सीजन मुहैया कराना शुरू कर दिया है। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी अमेरिका सहित कुछ देश दे रहे हैं। यहां कि खस्ताहाल पाकिस्तान तक ने हमारी बेहाली पर तरस खाकर मदद की पेशकश कर डाली है। कोई इसे कितना ही झुठलाने की कोशिश करे, लेकिन पूरी दुनिया में संदेश जा चुका है कि हम कितनी ही बड़ी-बड़ी बातें करें लेकिन आड़े वक्त में अपने नागरिकों को पर्याप्त जीवनरूपी ऑक्सीजन और अस्पताल तक मुहैया करने की स्थिति में नहीं हैं।

बीते बरस डोनाल्ड ट्रंप के राज में

हम अमेरिका पर हंस रहे थे कि इतना प्रगत राष्ट्र होने के बाद भी उनका हेल्थ सिस्टम चरमरा गया है। न्यूयॉर्क जैसे शहरों में सड़कों और बगीचों पर लोगों का इलाज करना पड़ा रहा है। लेकिन अमेरिका ने उस बदहाली पर जल्द काबू पा लिया और कोरोना के अगले हमले से मुकाबले की भी तैयारी भी कर ली।

चीन, जिसे सारी दुनिया 'कोरोना का जनक' मानती है, वहां वुहान में कोरोना से हुई बड़ी तादाद में मौतों के बाद मानो कोरोना ने चीन छोड़कर बाकी देशों में डेरा जमा लिया है। कुछ राज्यों ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बाद भी ऑक्सीजन के मामले में परस्पर सहयोग शुरू कर दिया है। सरकार के भरोसे रहने के बजाय लोग खुद एक दूसरे की मदद कर इंसानियत की मशाल जलाये हुए हैं। यूं सरकार ने खुद हर जिले में ऑक्सीजन प्लांट लगाने का ऐलान कर दिया है, लेकिन कब प्लांट लगेगा, कब उसमें ऑक्सीजन बनेगी, कब सप्लाई होकर अस्पताल पहुंचेगी, कब वह मरीज को मिलेगी, ये सब आगे की प्लानिंग के हिसाब से ठीक है।

यूपी में कोरोना मुंह फाड़ रहा है, लेकिन वहां पंचायत चुनाव बेखटके जारी हैं। हैरानी की बात तो यह है कि जब कोरोना सबको लीलने के लिए तैयार बैठा है, तब भी उत्तर प्रदेश में पंचायत प्रधान और पंच का चुनाव जीतने के लिए एक दूसरे की जान लेने में संकोच नहीं कर रहे, मानों कुर्सी मिलने पर कोरोना डर जाएगा।

वही हाल बंगाल में है। बंगाल में जिस तेजी से चुनावी कोरोना फैल रहा है, उसका खमियाजा इस राज्य को 2 मई के बाद भुगतना है, फिर चाहे सरकार भाजपा की बने या तृणमूल की। लेकिन नेताओं को चिंता 2 मई के विजयोत्सव की है। आशय ये कि लोग मरते हों तो मरें उनकी बला से। पर हमें वोट देकर और हमारा राजतिलक कर के मरें। महामारियों का क्या है, वो तो आती-जाती रहती हैं, लेकिन पांच साल के लिए मिलने वाली सत्ता उस कोरोना रूपी क्रूर काल से ज्यादा महत्वपूर्ण है इस भीषण ऑक्सीजन संकट में भी, कोरोना से किसी कीमत पर न डरने वाले, नेता, साधु और खेल प्रेमियों को छोड़ दें तो आज हर तीसरे घर में कोरोना का करूण क्रंदन सुनाई पड़ रहा है। एक सुनामी समुद्र में आती है, यह तो इंसानियत के सागर में आई निष्ठुर सुनामी है, जो किसी को नहीं बख्श रही। मौत इतनी जल्दी आपको अपने से छीन सकती है, यह अब आश्चर्य का नहीं, बेबसी का विषय है।

देश के असल हालात क्या हैं और क्या दिखाने की कोशिश हो रही है, इसको बेनकाब करने वाला केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन के राजनीतिक अर्थशास्त्री एवं पत्रकार पति परकला प्रभाकर का वह बेबाक लेख बहुत चर्चा में है, जिसमें उन्होंने साफ कहा है कि सरकार हर मोर्चे पर नाकाम रही है। कोरोना ने खुद की पीठ थपथपाने वाले हर ढोल की पोल खोल कर रख दी है।

हालांकि परकला पहले भी मोदी सरकार की आलोचना कर चुके हैं। पिछली बार अपने पति के आरोपों के जवाब में सीतारमन ने सरकार की उपलब्धियों का चिट्ठा पेश किया था। हो सकता है कि जेएनयू का पूर्व छात्र होने के कारण प्रभाकर को भी 'देशद्रोही' आदि ठहरा कर खारिज कर दिया जाए या फिर प्रभाकर की टिप्पणी पर निर्मला सीतारमन की ही कुर्सी आगे-पीछे छिन जाए। यह भी मुमकिन है कि प्रभाकर को सच बोलने पर किसी मामले में फंसाकर चुप कराने की कोशिश की जाए। प्रभाकर के लेख पर भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। संभव है कि प्रभाकर के कथन की कोई राजनीतिक काट खोजी जा रही हो, लेकिन इससे सच नहीं बदलता। मजबूरी में ही सही इस बार मीडिया सच बोलने की कोशिश तो कर रहा है। इन सब हकीकतों के बाद भी जरूरत धैर्य रखने की है। सो धीरज रखें...।

।। अनमोल वचन ।।

क्रोध कभी बिना तर्क के नहीं होता लेकिन कभी-कभार ही एक अच्छे तर्क के साथ होता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था 40 वर्षों में पहली बार भारी मंदी में है। असंघटित अर्थव्यवस्था ही भारत की अर्थव्यवस्था को जिंदा रखती है। बेरोजगार को रोजगार देती है और उसी को बर्बाद करने की मोदी भाजपा की साजिश है। राहुल जी के विचार अवश्य सुनें और समझें।

दिग्विजय सिंह, कांग्रेस नेता

सुमना, जहां यह हादसा हुआ है, वहां नीती नाम की एक पतली सी घाटी है, जो नदी के निरंतर होते कटाव से बनी है। इसके दोनों ओर सीधी चट्टान है, जिसे काटकर नदी के साथ-साथ चीन की सीमा तक सड़क बनाने का काम चल रहा है। पानी का स्रोत नजदीक होने के कारण मजदूरों ने अपना कैंप यहीं लगाया। इस बार जाड़ों में खास बर्फ भी नहीं गिरी, इसलिए मान लिया गया कि यहां कुछ नहीं होगा। हालांकि पहले भी यहां आईटीबीपी के जवान ऐसे हादसों की चपेट में आ चुके हैं। पिछले चार-पांच दिनों से मौसम लगातार खराब था और बर्फबारी हो रही थी। बताया जाता है कि एवलांच उसी के चलते आया हो सकता है।

उत्तराखंड में लगातार क्यों आ रही आपदा

उत्तराखंड के चमोली में आई भीषण आपदा को अभी ढाई महीने ही हुए थे कि पिछले हफ्ते एक और मुसीबत ने वहां तबाही मचा दी। भारत-चीन सीमा के निकट सुमना-2 में हिमस्खलन हो गया, जिसकी चपेट में सीमा सड़क संगठन के मजदूरों का एक कैंप आ गया। इस कैंप में 409 मजदूर थे। 15 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है जबकि तीन मजदूर अभी लापता हैं। 8 लोगों के घायल होने की सूचना है, जिनमें दो गंभीर हैं। 23 अप्रैल की दोपहर को रैणि से लगभग 90 किलोमीटर आगे सुमना-2 में अचानक हिमस्खलन हो गया। शुरूआती खबरों में इसे ग्लेशियर का खिसकना कहा गया। बाद में स्पष्ट हुआ कि यह वास्तव में हिमस्खलन की घटना थी। अगर कहीं ग्लेशियर खिसका होता, तो यह हादसा बहुत बड़ा होता। ग्लेशियर पक्की बर्फ के होते हैं, जबकि हिमस्खलन ताजा, कच्ची बर्फ के खिसकने को कहा जाता है।

सुमना, जहां यह हादसा हुआ है, वहां नीती नाम की एक पतली सी घाटी है, जो नदी के निरंतर होते कटाव से बनी है। इसके दोनों ओर सीधी चट्टान है, जिसे काटकर नदी के साथ-साथ चीन की सीमा तक सड़क बनाने का काम चल रहा है। पानी का स्रोत नजदीक होने के कारण मजदूरों ने अपना कैंप यहीं लगाया। इस बार जाड़ों में खास बर्फ भी नहीं गिरी, इसलिए मान लिया गया कि यहां कुछ नहीं होगा। हालांकि पहले भी यहां आईटीबीपी के जवान ऐसे हादसों की चपेट में आ चुके हैं। पिछले चार-पांच दिनों से मौसम लगातार खराब था और बर्फबारी हो रही थी। बताया जाता है कि एवलांच उसी के चलते आया हो सकता है।

जहां 23 अप्रैल को यह घटना हुई, वहां से कुछ ही दूरी पर सेना का बेस कैंप है। मजदूर दौड़ कर वहां सहायता मांगने गए, क्योंकि बर्फबारी के चलते मुख्य सड़क मार्ग बंद थे। जोशीमठ की तरफ से अभी भी रास्ते बंद ही हैं। सेना ने तुरंत सहायता की, जिसकी वजह से अधिकतर मजदूर जिंदा बचा लिए गए। 24 तारीख को मौसम कुछ ठीक होने पर हवाई रास्ते से भी राहत पहुंचाई जाने लगी है। रविवार को वायु सेना के दो हेलीकॉप्टर सुमना से 11 शव जोशीमठ लेकर आए। ये सारे मजदूर झारखंड के रहने वाले थे। हादसे में सुरक्षित बचे सभी मजदूरों को सेना कैंप में शरण दी गई है।

हालांकि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं का आना कोई नई बात नहीं है मगर अंतर यह है कि जहां पहले ये प्राकृतिक आपदाएं जनझ्धन को न्यूनतम नुकसान पहुँचाती थी, वहीं अब ये कहर बरपा रही हैं। उत्तराखंड में भूकम्प तथा भूझ्स्खलन जैसी आपदाएं तो पहले भी काफी देखने को मिलती थी मगर हाल के 5झ्6 वर्षों में यहाँ बादल फटने की बढ़ती घटनाओं ने अधिक तबाही मचाई है। यद्यपि उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के लिए पर्यावरणीय, भूझ्गर्भीय तथा मानव जनित कई कारण हैं, मगर इनके बारे में चर्चा करने से पूर्व हिमालय के उद्भव का इतिहास जानना जरूरी है।

बता दें कि इस इलाके में सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) सड़क बना रहा है। यह पूरी घाटी एक गार्ज की शक्ल में है और सुरक्षा की दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है। सरकार इसी क्षेत्र में अपनी महत्वाकांक्षी भारत माला योजना के तहत डबल लेन सड़क बना रही है। यह सवाल अभी सुप्रीम कोर्ट के विचाराधीन है कि सड़क 7 मीटर चौड़ी होगी या 10 मीटर। सुमना में, जहां एवलांच आया, वहां से चीनी सीमा तक सरकार 24 मीटर चौड़े मार्ग के लिए जमीन का अधिग्रहण करना चाहती है।

कमजोर व संवेदनशील हिमालय के इस हिस्से में ग्लेशियर खिसकने और हिमस्खलन होने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। 7 फरवरी को उत्तराखंड के चमोली जिले के रैणि गांव के पास बहने वाली ऋषिगंगा नदी में बाढ़ आई, क्योंकि उसके एक सहायक स्रोत रौंठी गाढ (गदेरा) पर ग्लेशियर टूटकर गिर पड़ा था। इससे ऋषिगंगा पावर प्रॉजेक्ट और उसमें कार्यरत 55 मजदूर बह गए। यही बाढ़ आगे तकरीबन 5 किलोमीटर दूर तपोवन विष्णुगाड हाइड्रो पावर प्रॉजेक्ट में कार्यरत डेढ़ सौ लोगों को बहा ले गई। तब कुल 206 लोग इस आपदा के शिकार हुए थे।

दरअसल, मौसम की अनियमितता ऐसी घटनाओं की मारक क्षमता और भी बढ़ा दे रही है। इस बार गुजरी सर्दियों में जोशीमठ और उससे आगे के इलाके में मौसम लगभग शुष्क रहा और बिना बर्फ गिराए ही निकल गया। अब अप्रैल में बर्फबारी हो रही है। ग्लेशियरों के पिघलने, पीछे खिसकने की गति भी लगातार बनी हुई है, वहीं नीचे के जंगलों में आग लगी हुई है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इन घटनाओं के लिए मौसम से कहीं ज्यादा हमारी हरकतें जिम्मेदार हैं, जो विकास का नाम लेकर की जा रही हैं।

अतुल सती

प्रेरक प्रसंग

रेल यात्रा

रॉकफेलर अमेरिका के धनकुबेरों में गिने जाते थे। एक बार वह ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। टिकट चेकर ने टिकट दिखाने को कहा, तो उन्होंने जवाब में कहा, ह्यमेरे पास टिकट नहीं है। मैजिस्ट्रेट ने बिना टिकट यात्रा करने के जुर्म में उन्हें एक दिन की जेल की सजा सुना दी। रॉकफेलर को इस सजा से कोई तकलीफ और दुख नहीं हुआ, बल्कि वह खुशी-खुशी जेल चले गए। एक दिन की सजा काटकर रॉकफेलर जेल से बाहर आए। उन्होंने जेब से टिकट निकाल कर पुलिस अधिकारी के आगे कर दी। अधिकारी देखता रह गया। उसने कहा, बड़े ही आश्चर्य की बात है कि अमेरिका के सबसे धनी व्यक्ति ने टिकट होते हुए भी जेल की सजा भोगी। रॉफेलर ने कहा, टिकट की कीमत सिर्फ दो डॉलर है, लेकिन मेरे पास वह चीज है, जिसकी कीमत दो हजार डॉलर है। जब से मैं ट्रेन में बैठा तब से मुझे कई आंखें घूर रही थीं। मैं समझ गया कि लुटेरे ताक में हैं। अधिकारी ने कहा कि डर से निजात पाने के लिए लोगों ने किवाड़ बनाए, ताले बनाए, तिजोरी बनाई, सुरक्षा के लिए हथियार बनाए, बुलेटप्रूफ जैकेट बनाए, गुप्त गृह बनाए लेकिन यह पहली बार सुनने में आया कि लुटेरों के डर से कोई अपराधी बना। रॉकफेलर ने कहा कि अनिष्ट की आशंका से मैं स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगा था। शायद बदमाशों को मेरे पास कीमती चीज होने का पता चल गया था इसलिए मैं चिंतित था। मैंने सोचा कि जेल से अधिक सुरक्षा इस समय और कहीं नहीं हो सकती। इसलिए मैंने जेल जाना उचित समझा। एक दिन की सजा काटी तो कोई बात नहीं। मेरी यह कीमती चीज लुटने से बच गई। अब मुझे कोई भय नहीं। आप लोगों का धन्यवाद। जेल में मेरे साथ अच्छा व्यवहार हुआ। कहकर रॉकफेलर अपनी गाड़ी में बैठे और चल दिए।

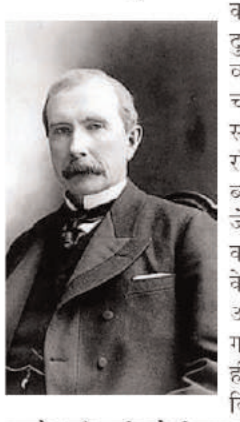

कोरोना को मात देगा भारत

कोरोना के विरुद्ध भारत में अब एक परिपूर्ण युद्ध शुरू हो गया है। केंद्र और राज्य की सरकारें, वे चाहे किसी भी पार्टी की हों, अपनी कमर कसके कोरोना को हराने में जुट गई हैं। इन सरकारों से भी ज्यादा आम जनता में से कई ऐसे देवदूत प्रकट हो गए हैं, जिन पर कुर्बान होने को जी चाहता है। कोई लोगों को आक्सीजन के बंबे मुफ्त में भर-भरकर दे रहा है, कोई मरीजों को मुफ्त खाना पहुंचवा रहा है, कोई प्लाज्मा-दानियों को जुटा रहा है और कई ऐसे भी हैं, जो मरीजों को अस्पताल पहुंचाने का काम भी सहज रूप में कर रहे हैं। हम अपने उद्योगपतियों को दिन-रात कोसते रहते हैं लेकिन टाटा, नवीन जिंदल, अडानी तथा कई अन्य छोटे-मोटे उद्योगपतियों ने अपने कारखाने बंद करके आक्सीजन भिजवाने का इंतजाम कर दिया है। यह पुण्य-कार्य वे स्वेच्छा से कर रहे हैं। उन पर कोई सरकारी दबाव नहीं है।

मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान की पहल पर ऑक्सीजन की रेलें चल पड़ी हैं। रेलमंत्री पीयूष गोयल ने ऑक्सीजन -परिवहन का शुल्क भी हटा लिया है। हमारे लाखों डॉक्टर, नर्सें और सेवाकर्मी अपनी जान पर खेलकर लोगों की जान बचा रहे हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उ.प्र. के योगी आदित्यनाथ तथा कुछ अन्य मुख्यमंत्रियों ने मुफ्त टीके की भी घोषणा कर दी है। फिर भी एक दिन में साढ़े तीन लाख लोगों का कोरोना की चपेट में आना और लगभग तीन हजार लोगों का दिवंगत हो जाना गहरी चिंता का विषय है।

दुनिया के कई देश दवाइयां, उनका कच्चा माल, ऑक्सीजन यंत्र आदि हवाई जहाजों से भारत पहुंचा रहे हैं लेकिन भारत में ऐसे नरपशु भी हैं, जो ऑक्सीजन, रेमडेसवीर के इंजेक्शन, दवाइयों और इलाज के बहाने मरीजों की खाल उतार रहे हैं। अस्पताली लूटपाट के बावजूद मरीज तो मर ही रहे हैं लेकिन उनके घरवाले जीते-जी मरणासन्न हो रहे हैं, लुट रहे हैं। हमारे अखबार और टीवी चैनल बुरी खबरों को इतना उछाल रहे हैं कि उनकी वजह से लोग अधमरे-जैसे हो रहे हैं। वे हमारे घरेलू काढ़े, गिलोय और नीम की गोली तथा बड़ (वटवृक्ष) के दूध जैसे अचूक उपायों का प्रचार क्यों नहीं करते ? कोरोना को मात देने के लिए जो भी नया-पुराना, देसी-विदेशी हथियार हाथ लगे, उसे चलाने से चूकना उचित नहीं।

रख हौसला! यह वक्त भी गुजर जाएगा...

आज हम लोग मन ही मन जिस वक्त के जल्दी बीतने की प्रार्थना कर रहे हैं वह जल्दी बीत ही जाएगा। दिक्कत तब आती है जब हम हिम्मत हारने लगते हैं और यही तो हमें नहीं करना है। एक कहानी है, अकबर हमेशा बीरबल से ऐसे सवाल करते थे जिसका जवाब देने में किसी भी आम शख्स को मुश्किल आ जाए लेकिन बीरबल उन्हें चुटकियों में हल कर देते थे। एक बार अकबर ने पूछा, बीरबल! ऐसी बात बताओ जिसे सुनकर दुखी आदमी खुश हो जाए और सुखी आदमी दुखी हो जाए।

बीरबल ने तुरंत जवाब दिया कि महाराज, वह बात है-यह वक्त भी गुजर जाएगा। अकबर बोले, ह्यह्ययह भी कोई बात हुई? तब बीरबल ने समझाया कि देखिए महाराज, अगर आप किसी दुखी शख्स से कहेंगे कि ये दिन जल्दी बीतने वाले हैं तो उसे उम्मीद बंधेगी क्योंकि जब सुख के दिन बीत गए हैं तो क्या दुख के नहीं बीत जाएंगे? इसी तरह सुखी इंसान यह सोच कर दुखी हो सकता है कि जब उसका सुख का वक्त गुजर जाएगा तो कहीं दुख तो नहीं आ जाएगा। लेकिन हम इस सच को याद रखें कि वक्त जैसा भी हो, बीत ही जाता है तो हमें बुरा वक्त कभी परेशान नहीं कर सकता। ऐसा कभी नहीं होता कि एक दुख आया तो वह हमेशा उसी रूप में, उसी अंदाज के साथ वहीं टिक जाएगा। वक्त के साथ उसका जाना तय है।

पिछले साल हम कोरोना महामारी के बुरे दौर से गुजरे हैं। पूरी दुनिया के लोग इस परेशानी से बाहर निकलने के लिए छटपटाने लगे। कोशिशें हुईं तो कोरोना की वैक्सीन बनने की वजह से इसका हल भी मिला और धीरे-धीरे चीजें संभलने लगीं। अब अगर हमारी थोड़ी-सी लापरवाही और इस वायरस के कुछ ताकतवर होने से फिर ऐसा वक्त आ गया है तो क्या यह नहीं बीतेगा, जरूर बीतेगा। कुछ ही हफ्तों की बात है, आज अगर कोरोना का ग्राफ ऊपर जाता दिख रहा है, बड़ी तेजी से यह नीचे आएगा। दरअसल हमारे लिए सबसे मुश्किल होता है उस वक्त को बीतते हुए देखना। वैसे इंसान का स्वभाव है कि हमें दुख का वक्त धीरे-धीरे गुजरता हुआ लगता है और सुख का दौर पंख लगाकर उड़ जाता है। बॉलीवुड के शहंशाह कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन जब करियर के सबसे ऊंचे मुकाम पर थे तो फिल्म की शूटिंग के दौरान उनके साथ ऐसा हादसा हुआ कि जान जाते-जाते बची। अब वह 78 साल के हैं। उन्हें कोरोना भी हुआ लेकिन वह उसे भी मात देकर आगे बढ़ गए हैं। लेकिन उन्हें टी.वी. शोज व फिल्मों में देखकर कभी आप अंदाजा लगा पाते हैं कि वह कितनी मुश्किलें झेलते हैं।

आप सोचिए, अगर इन दिक्कतों के बाद वह इस उम्र में खुद को बेहद खुश और व्यस्त रख सकते हैं तो हम भी ऐसा कर सकते हैं। हम उस वक्त को खुद पर हावी होने का मौका क्यों दें जो बीत जाने वाला है। अगर किसी दर्द से गुजर रहे हैं तो तुरंत एक कागज पर लिखें, यह भी गुजर जाएगा। अब इसे ऐसी जगह पर लगा दें जहां बार-बार नजर इस पर पड़ती रहे। इसके साथ ही अच्छे वक्त के लिए प्लानिंग करना शुरू कर दें। वक्त रहता नहीं कहीं टिककर, इसकी आदत भी आदमी-सी हैह्न यह शेह्नर है शायर गुलजार का। इस बात .पर पूरी तरह यकीन कर लीजिए क्योंकि जल्दी ही यह वक्त गुजरने वाला है।

संक्षेप में...

पाक कप्तान आजम बोले, भारतीय लोगों के लिए दुआ करें

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने भारत में कोरोना महामारी के कठिन हालातों पर चिन्ता जताते हुए कहा है कि इस समय सभी को पीड़ितों के लिए मिलकर दुआ करनी चाहिये। आजम ने इस अवसर पर भारतीय लोगों के लिए एक ट्वीट कर अपना समर्थन भी व्यक्त किया है। आजम ने ट्विटर पर दोनों देशों के लोगों को एक साथ आने के लिए कहा है। आजम ने साथ ही लिखा है कि इस भयानक हालातों में हमें भारतीय लोगों के लिए दुआएं भी मांगनी चाहिए। यह समय एकजुटता दिखाने और एक साथ मिलकर प्रार्थना करने का है। मैं सभी से अपील करता हूं कि कोरोना महामारी को लेकर दिये गये सख्त निदेर्शों का पूरी तरह से पालन करें क्योंकि यह हमारी ही सुरक्षा के लिए है। एक साथ मिलकर हम यह कर सकते हैं। आजम ने इस ट्वीट के साथ बुर्ज खलीफा की भी एक तस्वीर शेयर की जिसमें स्टे स्ट्रॉन्ग इंडिया लिखा हुआ था। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी कहा था कि यह समय भारतीय लोगों के साथ एकजुटता दिखाने और सहयोग देने का है। उन्होंने अपने प्रशंसकों से भी कहा था कि वे इस मुश्किल समय में आगे आकर लोगों की सहायता के लिए राशि जुटाएं।

बोर्ड ने कोरोना वैक्सीन लगाने का फैसला क्रिकेटरों पर छोड़ा

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कोरोना वैक्सीन लगाने का फैसला क्रिकेटरों पर छोड़ दिया है। देश में एक मई से 18 साल के ऊपर उम्र के लोगों को टीका लगना है। बोर्ड ने 14 वें सीजन में खेल रहे भारतीय खिलाड़ियों को कोरोना वैक्सीन लगाने का फैसला खिलाड़ियों पर छोड़ दिया है। खिलाड़ी चाहें तो वह टीका लगवा सकते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि खिलाड़ियों की मर्जी है कि वे टीका लगाएं या नहीं। सभी खिलाड़ी 18 साल से ऊपर के हैं। ऐसे में यह उन पर निर्भर है कि वे वैक्सीन लगवाना चाहते हैं या नहीं। अधिकारी ने कहा कि टीका केवल भारतीय खिलाड़ियों को ही लगाया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई उप-कप्तान और कोलकाता नाइट राइडर्स से खेलने वाले तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कोरोना से जंग के लिए 50 हजार डॉलर (करीब 38 लाख रुपए) डोनेट किए हैं। उन्होंने यह पैसे भारत के अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई दुरुस्त करने के लिए दिए हैं। कमिंस ने कहा था कि आइसोलेशन में मौजूद लोगों के लिए आईपीएल इंजॉय करने का जरिया है। इससे हम उन्हें खुश रखने की कोशिश कर रहे हैं।

आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप रद्द

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों को देखते हुए अजरबैजान के बाकू में होने वाले आगामी आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्व कप को रद्द कर दिया गया है। इस टूनार्मेंट का आयोजन 21 जून से दो जुलाई तक होना था और इससे आगामी टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके निशानेबाजों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलना था। आईएसएसएफ से जारी एक बयान के अनुसार अजरबैजान निशानेबाजी संघ (एएसएफ) ने कहा है कि देश में कोविड -19 मामलों में आई तेजी को देखते हुए सरकार ने बाकू में आईएसएसएफ विश्व कप का आयोजन नहीं करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमें इसके लिए खेद है पर वर्तमान हालातों को देखते हुए इसका कोई अन्य समाधान नहीं है। प्रतिभागियों की सेहत और सुरक्षा हम सभी के लिए पहली प्राथमिकता है।

फ्लिक की जगह ले सकते हैं नेगेल्समैन

लीपजिग। जूलियन नेगेल्समैन को हांसी फ्लिक की जगह जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख का नया मुख्य कोच बनाया जा सकता है। 33 साल के नेगेल्समैन ने अपने मौजूदा क्लब आरबी लीपजिग को छोड़ने की इच्छा जाहिर की है। डीपीए के मुताबिक नेगेल्समैन ने इसके लिए बकायदे आवेदन कर दिया है। नेगेल्समैन ने कहा है कि उनकी इस बारे में बायर्न से कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है लेकिन उनके बयानों से जो बात सामने आई है, उसके आधार पर यह माना जा सकता है कि उनके बायर्न का रुख करने के पूरे-पूरे आसार हैं। नेगेल्समैन ने दो साल पहले बुंदेसलीगा में अपने कोचिंग करियर की शुरूआत की थी। वह उस समय सिर्फ 28 साल के थे। लीपजिग 50 लाख यूरो की कीमत से उन्हें हाफेमहेम से लेकर आया था और वह तब लीग के इतिहास के सबसे युवा कोच बने

आईपीएल-14: दिल्ली को 1 रन से हराकर फिर टॉप पर पहुंचा बेंगलोर

एजेंसी ■ अहमदाबाद

कप्तान ऋषभ पंत (नाबाद 58) और शिमरन हेटमायर (नाबाद 53) की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को मंगलवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 14वें सीजन के 22वें और रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के हाथों एक रन से करीबी हार का सामना करना पड़ा। बेंगलोर की छह मैचों में यह पांचवीं जीत है और अब वह 10 अंकों के साथ तालिका में टॉप पर पहुंच गया है। दिल्ली को छह मैचों में दूसरी हार झेलनी पड़ी है और टीम आठ अंकों के साथ तीसरे नंबर पर है। बेंगलोर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 171 रनों का स्कोर बनाया और फिर दिल्ली को निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 170 रनों पर रोक दिया। बेंगलोर से मिले 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की शुरूआत खराब रही और टीम ने 47 रन तक अपने तीन विकेट गंवा दिए। इन तीन विकेटों में ओपनर पृथ्वी शॉ (21), शिखर धवन (6) और स्टीव स्मिथ (4) के विकेट शामिल है। इसके बाद कप्तान ने मार्कस स्टोयनिस (22) के साथ चौथे विकेट के लिए 34 गेंदों पर 45 रनों की साझेदारी की। स्टोयनिस के आउट होने के बाद पंत ने एक छोर संभाले रखा और हेमटमायर के साथ 44 गेंदों 78 रनों की अविजित साझेदारी करके दिल्ली को लगभग जीत दिला ही थी।

अपना पिछला मुकाबला सुपर ओवर में जीतने वाली दिल्ली कैपिटल्स को इस मैच को जीतने के लिए अंतिम ओवर में 14 रन बनाने थे, लेकिन उसके बल्लेबाज केवल 12 रन ही बना सके और उसे एक रन से करीबी हार का मुंह देखना पड़ा। कप्तान पंत ने 48 गेंदों पर छह चौके लगाए। उनके अलावा हेटमायर ने 25 गेंदों पर दो चौके और चार छक्के उड़ाए। स्टोयनिस ने 17 गेंदों पर तीन चौके लगाए। बेंगलोर के लिए हर्षल पटेल ने दो और मोहम्मद सिराज तथा काइल जेमिसन ने एक-एक विकेट लिए। इससे पहले, बेंगलोर ने एबी डीविलियर्स (नाबाद 75) की विस्फोटक पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 171 रनों का स्कोर बनाया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बेंगलोर की बेंगलोर ने 30 रन तक ही अपने दोनों ओपनरों कप्तान विराट कोहली (12) और देवदत्त पडिकल (17) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद रजत पाटीदार (31) और ग्लैन मैक्सवेल (25) ने बेंगलोर की पारी को संभालने की कोशिश की। लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी पारी को ज्यादा दूर नहीं ले जा पाए। इनके अलाउट होने के बाद डीविलियर्स ने एक छोर संभाले रखा और 42 गेंदों पर तीन चौके और पांच छक्के जड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। बेंगलोर ने अंतिम पांच ओवर में 56 रन बटोरे। वहीं, अंतिम ओवर में उसने 23 रन जुटाए। इस ओवर में डिविलियर्स ने तीन छक्के लगाए। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से इस सीजन में अपना पहला मैच खेल रहे ईशांत शर्मा, कगिसो रबाडा, आवेश खान, अमित मिश्रा और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट चटकाए।

हर्षल ने दिल्ली को दो झटके दिए

पंत ने आईपीएल में 14वीं और हेटमायर ने दूसरी फिफ्टी लगाई। उन्होंने 23 बॉल पर अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले हर्षल पटेल ने दिल्ली को 2 झटके दिए। उन्होंने मार्कस स्टोइनिस और पृथ्वी शॉ का विकेट लिया। हर्षल 17 विकेट के साथ विकेट-टेकर्स की लिस्ट में टॉप पर हैं। उनके बाद दिल्ली के आवेश खान ने 12 विकेट लिए हैं।

पृथ्वी शॉ के 1000 रन पूरे

शॉ 18 बॉल पर 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने आईपीएल में 1000 रन पूरे किए। 8 रन बनाते ही वे ऐसा करने वाले लीग के 77वें खिलाड़ी बन गए।

57% लोग नहीं चाहते कि कोरोना की दूसरी लहर के बीच आईपीएल आगे बढ़े

लीग जारी रखने के पक्ष में 43% फैन्स

■ नई दिल्ली

कोरोना की दूसरी लहर के बीच देश में क्रिकेट का त्योहार कहे जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। इसे लेकर लोगों में दोहरे मत सामने आ रहे हैं। कुछ लोग महामारी के विकराल रूप के बीच लीग जारी रखने को सही नहीं मान रहे। तो कुछ लोगों का कहना है कि टूनार्मेंट अपने तय शेड्यूल के हिसाब से ही चलते रहना चाहिए।

इसमें सबसे ज्यादा 56.8% लोगों का मानना है कि जब कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा है, ऐसे में टूनार्मेंट को जारी रखना ठीक नहीं होगा। वहीं, 43.2% लोग चाहते हैं कि टूनार्मेंट जारी रखा जाए। इसे टालने या इसके शेड्यूल में किसी तरह के बदलाव जरुरत नहीं है।

अश्विन समेत 4 खिलाड़ी नाम वापस ले चुके

इससे पहले रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और राजस्थान रॉयल्स के फास्ट बॉलर एंड्रयू टाई ने टूनार्मेंट से हटने का फैसला किया था। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के एडम जम्पा और केन रिचर्डसन ने भी टूनार्मेंट से नाम वापस ले लिया। हालांकि बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी ने बताया कि आईपीएल चलता रहेगा। टूनार्मेंट पर कोई खतरा नहीं है। बोर्ड नाम वापस लेने वाले खिलाड़ियों के रास्ते में नहीं आएगा।

कई फ्रेंचाइजी ने भी जताई है आपत्ति

सूत्रों ने बताया है कि करीब चार फ्रेंचाइजी ने भी कहा कि ऐसे माहौल में उनके खिलाड़ी ट्रैवेल नहीं करना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने लीग रद्द करने की कोई लिखित मांग नहीं की है।

कमिंस ने ढट केयर्स फंड में 38 लाख रुपए दान किए

इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई उप-कप्तान और कोलकाता नाइट राइडर्स से खेलने वाले तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कोरोना से जंग के लिए ढट केयर्स फंड में 50 हजार डॉलर (करीब 38 लाख रुपए) डोनेट किए। उन्होंने यह पैसे भारत के अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई दुरुस्त करने के लिए दिए हैं।

आईपीएल से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अपने दम पर वापस आना होगा : पीएम मॉरिसन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को वतन लौटने के लिए अपनी खुद की व्यवस्था करनी होगी, क्योंकि उन्होंने निजी तौर पर भारत की यात्रा की है। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने मंगलवार को यह बात कही। द गार्जियन ने मॉरिसन के हवाले से लिखा है, उन्होंने निजी तौर पर वहां की यात्रा की है। यह एक ऑस्ट्रेलियाई दौरे का हिस्सा नहीं था। वे अपने संसाधनों के तहत हैं और वे उन संसाधनों का भी उपयोग करेंगे, मुझे यकीन है। उन्हें अपनी व्यवस्था के अनुसार ऑस्ट्रेलिया लौटना होगा।

इससे पहले, मॉरिसन ने भारत से प्रत्यक्ष उड़ानों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की । इस घोषणा के तहत वाणिज्यिक और सरकार की प्रत्यावर्तन सेवाएं और देश से कनेक्टिंग उड़ानों का उपयोग 15 मई तक नहीं किया जा सकेगा।

आईपीएल में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलने वाले बल्लेबाज क्रिस लिन ने कहा था कि उन्होंने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से टूनार्मेंट के समापन पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को घर लाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट की व्यवस्था करने को कहा। था लन ने न्यूज कॉर्प मीडिया को बताया, मैंने यह संदेश भेजा किया कि जैसा कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया हर आईपीएल अनुबंध का 10 प्रतिशत लेता है, क्या ऐसा हो सकता है कि आईपीएल खत्म होने के बाद हम इस पैसे को चार्टर फ्लाइट पर खर्च कर सकें।

एएफसी चैंपियंस लीग में एफसी गोवा ऐतिहासिक जीत से चूका

फातोर्दा (गोवा)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) क्लब एफसी गोवा को एएफसी चैंपियंस लीग (एसीएल) के ग्रुप चरण के अपने पांचवें मुकाबले में कतर के अल रेयान क्लब के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलना पड़ा। सोमवार रात यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-ई के इस मुकाबले में जॉर्ज ओर्टिज ने तीसरे मिनट में ही गोल करके गोवा को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। मेजबान टीम ने इस बढ़त को आखिर तक कायम रखा। लेकिन 89वें मिनट में अली फरीदून ने शानदार गोल करके अल रेयान को 1-1 की बराबरी दिला दी।

इटली में सीरीज ए फुटबॉल में शुरूआती गोल करने के बाद उत्साहित नेपोली के टिमोयूई बकायोको।

भारत छोड़ सकते हैं वार्नर, स्मिथ जैसे शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर : रिपोर्ट

सिडनी। डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ सहित कई शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर जल्द ही भारत से ऑस्ट्रेलिया वापस लौट सकते हैं। मंगलवार को होने वाली कैबिनेट की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, जिसमें इस बात पर फैसला होगा कि भारत से विमानों के परिचालन को कम किया जाए या फिर इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। मंगलवार सुबह 9न्यूज में एक रिपोर्ट के अनुसार, डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स अब बॉर्डर बंद होने से पहले भारत में घर से बाहर होने की उम्मीद कर रहे हैं। वॉर्नर सनराइजर्स हैदराबाद का नेतृत्व कर रहे हैं जबकि स्टीव स्मिथ दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, हमारे 30 खिलाड़ी, कोच और कमेंटेटर हैं, जो स्वाभाविक रूप से भारत

आईसीसी ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के लिए क्वालीफाइंग टीमों की घोषणा की

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के लिए क्वालीफाइंग क्रिकेट टीमों की सोमवार को घोषणा की। बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन अगले साल 28 जुलाई से आठ अगस्त तक होने हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला क्रिकेट को पहली बार और पुरुष क्रिकेट को दूसरी बार शामिल किया जा रहा है। इससे पहले 1998 में कुआलालंपुर में आयोजित हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुष क्रिकेट को शामिल किया गया था, जिसमें दक्षिण अफ्रीका की टीम विजेता बनी थी। बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में टी20 टूनार्मेंट के लिए आठ टीमों ने क्वालीफाई किया है, जिसमें आस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम शामिल है। इन टीमों ने एक अप्रैल 2021 को आईसीसी महिला टी20 टीम रैंकिंग में टॉप.8 में रहते हुए क्वालीफाई किया है। मेजबान होने के नाते इंग्लैंड की महिला टीम ने सीधे ही टूनार्मेंट के लिए क्वॉलिफाई कर लिया। बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में क्रिकेट के सभी मैच इंग्लैंड के एजबेस्टन मैदान पर खेले जाएंगे। 11 दिनों तक चलने वाले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में 72 देशों के करीब 4500

कोरोना का कहर हॉकी पर भी ..

महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल सहित 7 खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव

■ बेंगलुरु

टोक्यो ओलिंपिक की तैयारी के लिए कैंप शुरू होने से पहले महिला हॉकी टीम को झटका लगा है। कप्तान रानी रामपाल सहित सात खिलाड़ी कोरोना संक्रमित हो गई हैं। इसके अलावा दो सपोर्टिंग स्टाफ के सदस्यों का भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव है। महिला हॉकी टीम का कैंप 25 अप्रैल से शुरू होना था।कैंप में शामिल सभी 25 खिलाड़ी 10 दिन के ब्रेक के बाद एक फिर से कैंप के लिए आए थे। कोरोना प्रोटोकॉल के नियमों के तहत सभी खिलाड़ी एक हफ्ते के क्वारैंटाइन में रहे। इस दौरान सभी खिलाड़ियों और स्टाफ की कोरोना जांच की गई।

किसी में कोरोना के कोई लक्षण नहीं दिखे: कप्तान रानी रामपाल के अलावा सविता पूनिया, शर्मिला देवी, रजनी, नवजोत कौर, नवनीत कौर और सुशीला देवी का कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इसके अलावा वीडियो विशलेषक अमृतप्रकाश और वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी कोरोना संक्रमित मिले हैं। हालांकि किसी में भी कोरोना के कोई लक्षण नहीं हैं। स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) के अधिकारियों के मुताबिक सभी साई की मेडिकल टीम की निगरानी में है।

अर्जेंटीना-जर्मनी के दौरे पर गई थी महिला टीम ओलिंपिक की तैयारी को ध्यान में रखते हुए महिला टीम ने जनवरी में अर्जेंटीना का दौरा किया था। वहां पर टीम ने अर्जेंटीना की जूनियर, बी टीम और सीनियर टीम के खिलाफ सात मैच खेले थे। अर्जेंटीना टीम की वर्ल्ड रैंकिंग दो है। भारतीय टीम ने तीन मैच ड्रॉ खेले, जबकि चार मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं फरवरी में जर्मनी के दुसेलदोर्फ गई थी। भारतीय टीम ने जर्मनी के साथ चार मैच खेले थे। भारतीय महिला हॉकी ने तीसरी बार ओलिंपिक का टिकट हासिल किया है।

आईपीएल

प्लेयर्स की चिंता पर बोर्ड का बयान

आईपीएल तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक सभी खिलाड़ी सही सलामत अपने घर नहीं पहुंच जाते: बीसीसीआई

■ चेन्नई

कोरोना के दूसरी लहर के बीच देश में हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे खिलाड़ियों को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से भरोसा दिलाया गया है कि टूनार्मेंट के समाप्त होने के बाद खिलाड़ियों को उनके घर सही सलामत पहुंचाया जाएगा। आईपीएल सीईओ हेमांग अमीन ने जारी बयान में बीसीसीआई की ओर से आईपीएल में खेल रहे भारतीय खिलाड़ियों और विदेशी खिलाड़ी को भरोसा दिलाया कि टूनार्मेंट के बाद खिलाड़ियों को सही सलामत उनके घर तक पहुंचाया जाएगा।

दरअसल भारत में कोरोना के बढ़ते मामले के बाद कई देशों ने भारत से डायरेक्ट पैसेंजर्स फ्लाईट्स पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिए हैं। मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भारत से पैसेंजर फ्लाइट्स पर 15 मई तक अस्थायी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। इससे पहले ब्रिटेन की ओर से भी इस तरह के प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं। वहीं देश के कई राज्यों में भी लॉकडाउन की घोषणा की जा चुकी है। ऐसे में खिलाड़ियों की चिंताए सता रही थीं कि वे टूनार्मेंट के बाद किस तरह अपने घर पहुंच पाएंगे।

सभी को सुरक्षित घर पहुंचाया जाएगा

हेमांग अमीन ने कहा, हमें पता है कि आप सभी टूनार्मेंट के समापन के बाद घर जाने को लेकर चिंतित हैं। बीसीसीआई सभी खिलाड़ियों को भरोसा दिलाता है कि उनके घर तक सही सलामत पहुंचाया जाएगा। इसके लिए हम सरकारी अधिकारियों और विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई सभी पहलुओं पर नजर रखी हुई है। बीसीसीआई के लिए खिलाड़ियों का स्वास्थ्य सर्वोपरी है।

अब खिलाड़ी बाहर से खाना नहीं मांगा सकेंगे: उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते बायो-बबल को और मजबूत किया जा रहा है। अब खिलाड़ी पहले से निर्धारित होटलों से खाना नहीं मंगा सकेंगे। बल्कि उन्हें बायो-बबल के अंदर ही रहना होगा। वहीं लगातार खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट किया जा रहा है। अमीन ने आईपीएल में खेल रहे खिलाड़ियों के प्रति आभार जताया और कहा कि इस विषम परिस्थिति आप खेलकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास कर रहे हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे ऑस्ट्रेलियन खिलाड़ी आईपीएल खत्म होने तक भारत में रूकेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि आईपीएल में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टूनार्मेंट खत्म होने के बाद ही लौटेंगे। दरअसल भारत में बढ़ते कोरोना मामले के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने मंगलवार को भारत से पैसेंजर फ्लाइट्स पर 15 मई तक अस्थायी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। जिसके बाद से ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में आईपीएल में खेल रहे खिलाड़ियों की लौटने की बात आने लगी और कहा गया कि खिलाड़ी भारत से लौटने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार के संपर्क में हैं और उनसे चार्टर प्लेन की मांग कर रहे हैं। अब तक तीन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर आईपीएल से अपना नाम वापस ले चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स से खेलने वाले एंड्रयू टाई के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंलुरु के केन रिचर्डसन और एडम जम्पा भी आईपीएल से नाम वापस ले चुके हैं।

'रश्मि रॉकेट' में तीन अलग-अलग लुक में आएंगी नजर

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू की झोली फिल्मों से भरी हुई है। आलम यह है कि एक ही टाइमफ्रेम में उनकी दो स्पोर्ट्स जॉनर की फिल्में आ रही हैं। एक क्रिकेट को लेकर 'शाबाश मिथु' और दूसरी बतौर धावक 'रश्मि रॉकेट' है। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया,' रश्मि रॉकेट' में तापसी का किरदार गुजरात के कच्छ के दूर दराज के इलाके से है। वह कच्छ के रण की रनर हैं। उसे ऑथेंटिक दिखाने के लिए तापसी ने कच्छ के अंगिया में मॉडिफिकेशन करवाया। वहां की युवतियां जो अंगिया पहनती हैं, उन्हीं में थोड़ी तब्दीली कर सलवार कमीज बनवाया गया और उस कॉस्ट्यूम में रनिंग के शॉट्स दिए। कॉस्ट्यूम की खोज में प्रोडक्शन की टीम कच्छ के पास भुजौरी गई। वहां के लोकल आर्टिस्टों कच्छ की फैब्रिक और ज्वेलरी को बनवाया गया। 'रश्मि रॉकेट' की शूटिंग तो जनवरी में ही पूरी हो चुकी है। पूरी फिल्म में तापसी तीन अलग लुक में नजर आएंगी। पहला लुक कच्छ के रण से ताल्लुक रखने वाली युवती का है। फिर नेशनल लेवेल पर उनका सेलेक्शन होता है। वहां ज्यादा एक्सोपजर मिलता है, तो लुक बदलता है। तीसरा लुक उनके उस स्टेज से है, जब वो दुनियाभर में ट्रैवल करती हैं। स्टेट, नेशनल और इंटरनेशनल लेवेल पर जो स्पोर्ट्स के किट्स में बदलाव आता जाता है, उसमें डिजाइनिंग की गई है। तापसी के करीबियों ने बताया, फिल्म की शूटिंग देश के चार से पांच अलग शहरों में हुई है। अहम सीन मुंबई, पुणे, रांची और कच्छ के रण में फिल्माए गए। प्रोडक्शन और कॉस्ट्यूम की टीम तारीफ के काबिल है, जो उन्होंने मीडियम बजट में भी फिल्म को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। एक ग्रैंड लुकिंग फिल्म बनाने की कोशिश की गई है। फिल्म की शूटिंग बड़ी चैलेंजिग भी रही। कोरोना काल के चलते टुकड़ों-टुकड़ों में डेट्स की तब्दीलियों में टीम ने अलग-अलग शेड्यूल में काम किया।

जॉन अब्राहम की फिल्म 'सत्यमेव जयते 2' की रिलीज डेट टली

कोरोना महामारी के चलते फैसला

जॉन अब्राहम के फैंस के लिए एक निराश करने वाली खबर है। कोरोना महामारी का असर कई क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। ऐसे में फिल्म इंडस्ट्री भी इससे अछूता नहीं है। अब इसी क्रम में जॉन अब्राहम और दिव्या खोसला कुमार की फिल्म 'सत्यमेव जयते 2' की रिलीज डेट टाल दी गई है। फिल्म इस साल ईद पर रिलीज होने वाली थी। फिल्म की टीम ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर इसका एलान किया है। प्रोडक्शन कंपनी एम्मे एंटरटेनमेंट ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि ऐसे निराशा के वक्त में हमारे देशवासियों और दर्शकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से अधिक कुछ भी मायने नहीं रखता है। हमारी फिल्म 'सत्यमेव जयते 2' अब बाद में रिलीज होगी। तब तक मास्क पहनना जारी रखें। खुद को और प्रियजनों को नुकसान के रास्ते से दूर रखने की पूरी कोशिश करें। जय हिंद। फिल्म 13 को ईद के मौके पर रिलीज होने वाली थी। इसी दिन सलमान खान की फिल्म 'राधेः योर मोस्ट वाटेंड भाई' रिलीज हो रही है। बता दें कि 'सत्यवमेव जयते 2' साल 2018 में आई फिल्म 'सत्यमेव जयते' का सीक्वल है। इसके निर्देशक मिलाप जावेरी है। इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी और निखिल आडवाणी की एम्मे एंटरटेनमेंट मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

नदियों-पहाड़ों के बीच नेहा कक्कड़ का जबरदस्त फोटोशूट

मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ अपनी सिंगिंग के साथ-साथ अपनी खूबसूरती को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। वह अक्सर अपने खूबसूरत पलों की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं, जो वायरल होते चर्चा में आ जाती हैं। अब हाल ही में नेहा ने अपने कुछ थ्रोबैक तस्वीरें शेयर की हैं, जिन पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। इन तस्वीरों में नेहा काफी अट्रैक्टिव लग रही हैं और नेचर के नजारे ले रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान हसीना ब्लू कलर की फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। गोरे मुखड़े पर काला चशमा और खुले बाल उनकी खूबसूरती को चार-चांद लगा रहे हैं। लुक को कम्पलीट करते हुए सिंगर कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं। बता दें नेहा कक्कड़ रोहनप्रीत सिंह संग शादी के बाद अपनी मैरिड लाइफ को खूब एंजॉय कर रही हैं और अक्सर पति संग अपनी रोमांटिक तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस में नजर आया ग्लैमरस अंदाज

टूटे आशिकों के लिए मरहम है अली गोनी-जैस्मिन भसीन का नया गाना

बिग बॉस फेम अली गोनी और जैस्मिन भसीन की दोस्ती दर्शकों को खूब पसंद आई थी। शो में तो दोनों की एंट्री अलग-अलग हुई थी, लेकिन ये दोस्ती को प्यार में बदलते हुए समय नहीं लगा। अब दोनों का नया गाना 'तू भी सताया जाएगा' रिलीज हो गया है। इस गाने में दोनों की केमिस्ट्री दोनों के पर्सनल रिश्ते के बिल्कुल विपरीत दिखाई गई है, लेकिन फैन्स इस बात से बेहद खुश हैं कि गाने में जैस्मिन को अली गोनी की पत्नी के रूप में दिखाय गया है। 'तू भी सताया जाएगा' को विशाल मिश्रा ने गाया है। इसके बोल और म्यूजिक कंपोजर भी विशाल मिश्रा ही हैं। गाने को यूट्यूब पर रिलीज किया गया है और बहुत कम समय में इसे करीब साढ़े 6 लाख व्यूज मिल चुके हैं। अली गोनी की एक्टिंग को भी लोग काफी पसंद कर रहे हैं क्योंकि इसमें वह कई लड़कियों के साथ फ्लर्ट करते हुए दिख रहे हैं। इससे जैस्मिन भसीन काफी परेशान हो जाती हैं। अली गोनी ने गाने का टीजर इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। अली ने अपने फैन्स से भी इस गाने को ज्यादा से ज्यादा देखने की अपील की है। जैस्मिन ने भी इंस्टाग्राम पर अपनी एंट्री से गाने का टीजर शेयर किया है। दोनों की ऑनस्क्रीन दोस्ती को कितनी कामयाबी मिलती है ये तो अभी पता लगेगा, लेकिन विशाल मिश्रा की जादुई आवाज ने सबका दिल जीत लिया है। बता दें कि जैस्मिन भसीन और अली गोनी लंबे समय से एक-दूसरे के दोस्त हैं। दोनों के अफेयर की खबरें भी लगातार सामने आती है। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों लिव-इन में रह रहे हैं। दोनों की तस्वीरें अक्सर सामने आती रहती हैं। कोरोना काल में दोनों का ये गाना फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

नया म्यूजिक वीडियो रिलीज, फैन्स को पसंद आ रही केमिस्ट्री

भारत को महामारी से जूझते देख भावुक हुई प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भले ही अपने पति निक जोनस के साथ यूएस में रहती हों, लेकिन भारत उनके दिल में बसता है। प्रियंका अक्सर भारत आती-जाती भी रहती हैं, वहीं एक्ट्रेस का ये भी कहना है कि निक को भी भारत से बहुत लगाव है उन्हें हमारा देश और यहां की परंपराएं बहुत पसंद हैं। यही वजह कि जब भी भारत में कोई हलचल होती है तो यूएस में बैठीं प्रियंका उसपर अपनी प्रतिक्रिया जरूर देती हैं। अब ऐसे में जब भारत कोरोना वायरस जैसे महामारी से जूझ रहा है तो एक्ट्रेस चुप कैसे बैठ सकती थीं। देश को महामारी से जूझते देख प्रियंका चोपड़ा भावुक हो गई हैं और उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से सवाल किया है कि वो भारत को वैक्सीन कब भेज रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर अमेरिका के प्रेसीडेंट जो बाइडन, व्हाइट हाउस के चीफ, बाइडन के सेक्रेटरी और व्हाइट हाउस नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर को टैग करते हुए एक ट्वीट किया है। जिमसें उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए पूछा कि वो भारत को कब वैक्सीन भेज रहे हैं। एक्ट्रेस ने अपने ट्वीट में लिखा, मेरा दिल टूट गया है। भारत कोरोना से पीड़ित है, इससे जूझ रहा है और अमेरिका ने 550एम जरूरत से ज्यादा वैक्सीन ऑर्डर की हैं। एस्ट्राजेनेका को दुनिया भर में साझा करने के लिए आपका शुक्रिया, लेकिन मेरे देश की हालत नाजुक है। क्या आप तुरंत भारत को वैक्सीन साझा करेंगे?

जो बाइडन को टैग करते हुए लिखा 'मेरे देश की हालत बहुत नाजुक है'

संकेत भोसले संग शादी के बंधन में बंधीं कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा

मशहूर कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा और संकेत भोसले 26 अप्रैल को शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों ने जालंधर के क्लब कबाना में सात फेरे लिए और एक दूसरे के हो गए। सुगंधा ने कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर मंगेतर संकेत संग अपनी तस्वीरें साझा कर फैंस को चौंका दिया था। प्री वेडिंग शूट की इन तस्वीरों के साथ ही उन्होंने शादी का ऐलान किया था। हालांकि अब दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। बता दें कि बीती रात संकेत बारात लेकर दुल्हनिया को लेने पहुंचे और सभी रीति रिवाजों के साथ शादी संपन्न हुई। सुगंधा के परिजनों ने पहले ही स्पष्ट तौर पर बताया था कि कोरोना की वजह से समारोह सादगी से होगा और कुछ करीबी रिश्तेदार ही शादी में शामिल होंगे। वहीं सुगंधा मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से मेहंदी सेरेमनी की कई सारी तस्वीरें साझा की हैं जिनमें वह काफी खुश और खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। फैंस भी उनकी तस्वीरें देख खूब प्यार लुटा रहे हैं और दोनों को मंगल जीवन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। बता दें कि सुगंधा और संकेत की शादी और सगाई एक ही दिन संपन्न कराई गई थी। 26 अप्रैल की सुबह को दोनों ने एक दूसरे को अंगूठी पहनाई और शाम को शादी के बंधन में बंधे। हालांकि जोड़े ने शादी की तस्वीरें साझा नहीं की हैं लेकिन सगाई की फोटोज में दोनों काफी खूबसूरत लग रहे हैं। वहीं हल्दी और मंगनी सेरेमनी भी उसी दौरान संपन्न कराई गई थी।

जालंधर में 24 घंटे में पूरी की सभी रस्में

संक्षेप में...

पीएम आवास के लिए चयनित लोगों के खाते में आए डेढ़ लाख रुपये

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के डूडा के परियोजना अधिकारी अनिल कुमार वर्मा ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश शासन से प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किस्त लाभार्थियों के खाते में भेज दी गई है। अभी नए वित्तीय वर्ष का कोई लक्ष्य नहीं प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि 600 लाभार्थियों के खाते में 9 करोड़ रुपए भेज दिए गए हैं। प्रत्येक के खाते में डेढ़ लाख रुपए गए हैं। परियोजना अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि जिले भर में वर्ष 2020-21 में सात हजार 258 लाभार्थियों को आवास देने का लक्ष्य था, इसके सापेक्ष छह हजार पात्र लोगों को इसका लाभ दिया गया। इसमें जिले की पूर्व के नौ नगर निकायों को शामिल किया गया था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तीन लाख से कम आय वाले कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसके पास कोई भी आवास न हो, उसको इसका लाभ दिया गया है। एक आवास के निर्माण पर 3.36 लाख रुपये का खर्च आ रहा है।

चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री और नीतीश को लिखा पत्र

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अलग-अलग पत्र लिखकर अपने संसदीय क्षेत्र जमुई के कोरोना मरीजों के लिए अलग-अलग मांग रखी है। चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में कहा है कि केंद्र सरकार की घोषणा के मुताबिक पूरे देश में 551 नए ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं। बिहार में 15 जिलों में भी नए ऑक्सीजन के प्लांट लगाए जाएंगे। उन्होंने पत्र में कहा है कि जमुई में भी ऑक्सीजन की कमी की शिकायत आ रही है। पासवान ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि जमुई के कोरोना मरीजों को ऑक्सीजन की कमी के कारण मृत्यु ना हो इस कारण वहां भी ऑक्सीजन का प्लांट स्थापित किया जाएं। इधर, जमुई सांसद चिराग पासवान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी पत्र लिखकर तत्काल वेंटिलेटर शुरू करवाने की मांग की है।

यूपी में आक्सीजन निर्माण के लिए पीएसयू को किया जाएगा दोबारा शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने राज्य में खाली ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी को दूर करने के लिए एक नई पहल की है। राज्य सरकार ने प्रयागराज में बंद एक सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई भारत पंप्स एंड कंप्रेशर्स लिमिटेड (बीपीसीएल) को आदेश दिया है कि वह 3000 ऑक्सीजन सिलेंडरों का निर्माण करें। एमएसएमई के अतिरिक्त मुख्य सचिव, नवनीत सहगल ने कहा कि ऑक्सीजन सिलेंडर बनाने वाली इकाई अस्पतालों में सिलेंडर की कमी की मांग को पूरा करने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा, यूनिट के खुलने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। प्रयागराज में सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई भारत पंप्स एंड कंप्रेशर्स लिमिटेड पिछले काफी समय से बंद है। सरकार की पहल के बाद, इस सप्ताह से इस इकाई में काम शुरू हो जाएगा।

राज्य में 30,398 डिस्चार्ज, ग्रामीण इलाकों में 17.77 फीसदी बढ़ी मृत्यु दर

यूपी में 23 दिन बाद एक्टिव केस घटे ऑक्सीजन की किल्लत बरकरार

■ लखनऊ/पटना

उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में 32,993 नए संक्रमित मिले। हालांकि राहत की बात है कि रिकॉर्ड 30,398 मरीज ठीक भी हुए। संक्रमण को मात देने वालों का यह आंकड़ा अब तक का सबसे ज्यादा है। एक्टिव केस में महज 2,595 की बढ़त हुई है। इससे पहले बीते तीन अप्रैल को 2,423 एक्टिव केस बढ़े थे। लेकिन कोरोना संक्रमितों को इलाज, ऑक्सीजन और दवाओं के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। यदि राजधानी लखनऊ की बात करें यहां हालात ये है कि यदि किसी अस्पताल से एक मरीज डिस्चार्ज होता है तो 100 मरीज भर्ती के लिए कतार में खड़े मिले हैं। पिछले कई दिनों से ऑक्सीजन संकट का सामना कर रही राजधानी में ऑक्सीजन एक्सप्रेस के आगमन से सरकारी और निजी अस्पतालों को राहत मिली है। लेकिन मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण चिकित्सा व्यवस्था पटरी पर नहीं आ पा रही है। ऑक्सीजन के लिए रिफिल सेंटरों पर लंबी लाइन लग रही है।कोरोना संक्रमित या सांस रोगियों का आक्सीजन लेवल नीचे जाने पर उन्हें न निजी अस्पताल में भर्ती मिलती है और न ही सरकारी अस्पताल में। हर जगह सिर्फ एक ही बात कही जाती है कि उनके यहां बिस्तर खाली नहीं है।

यूपी के ग्रामीण इलाकों में 17.77 फीसदी बढ़ी मृत्यु दरः कोरोना वायरस अब उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पहुंच गया है। अब तक मौत के ज्यादातर मामले शहरों से आ रहे थे, लेकिन छोटे जिलों व ग्रामीण इलाके में भी मौत का ग्राफ बढ़ने लगा है। मार्च तक कोरोना वायरस का असर ज्यादातर शहरों तक सीमित था। ग्रामीण इलाकों में कभी-कभार संक्रमित मिल रहे थे। पर, स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 31 मार्च को सिर्फ 2 जिलों में 100 से अधिक मरीज थे। 10 अप्रैल को 60 जिलों में 100 से कम मरीज थे। 15 अप्रैल को 26 जिलों में, 20 अप्रैल को 10 जिलों में और 25 अप्रैल को सिर्फ 6 जिले में 100 से कम मरीज हैं। शेष सभी जिलों में संख्या सौ से अधिक है। मरीजों की संख्या बढ़ी तो मौत का ग्राफ भी बढ़ने लगा है। 15 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में 9,480 लोगों की मौत हुई थी, जो 25 अप्रैल को 11,165 पहुंच गई।

1641 बंदी पॉजिटिव, जेल में ही होगा मुख्तार का इलाजः उत्तर प्रदेश के 64 स्थायी जिलों में 1,12,290 कैदी सजा काट रहे हैं। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों का टेस्ट कराया गया जिसमें 1641 बंदी पॉजिटिव पाए गए हैं। अब तक छह की मौत हुई है। इसमें तीन बंदी, दो बंदी रक्षक समेत एक अधिकारी शामिल हैं। वहीं 22,375 बंदियों का वैक्सीनेशन कराया जा चुका है। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी की आरटीपीसीआर रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद आज मेडिकल कालेज के डॉक्टरों की टीम मुख्तार का उपचार मंडल कारागार कराया जा रहा हैं। प्रदेश के 64 जिलों में बंद एक लाख 12 हजार कैदियों में कोरोना कोरोना का खतरा बढ़ता नजर आ रहा है। जेल में छोटे-छोटे कंपाउंड में एक साथ कैदियों की रहने की वजह से संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है।

हर दिन एक लाख जांच का सीएम नीतीश का निर्देश हो रहा फेल

कोरोना के बढ़ते रफ्तार को अब जांच घटाकर रोका जा रहा है। आंकड़ों की गणित के लिए जांच का आंकड़ा भी हर दिन कम ज्यादा हो रहा है। रविवार को 100491 लोगों की जांच कराई गई थी तब 12795 नए मामले आए थे। सोमवार को जांच का आंकड़ा 80461 पर सिमट गया, जिससे संक्रमितों की सूची भी 11801 पर थम गई। लेकिन मौत ने संक्रमण के दिन-प्रतिदिन खतरनाक होने की पोल खोल दी है। 24 घंटे में प्रदेश में 67 लोगों की जान चली गई है, इसमें पटना में 27 लोगों की मौत का आंकड़ा भी शामिल है। सीएम नीतीश कुमार ने हर दिन एक लाख जांच का आदेश दिया है, लेकिन विभाग आए दिन आंकड़ों की बाजीगरी करता है। बिहार में सोमवार को 80461 लोगों की जांच में कुल 11801 नए मामले आए हैं। अब प्रदेश में कुल संक्रमितों की संख्या 415397 हो गई है जबकि कोरोना को मात देने वालों की संख्या 323514 हो गई है।

आगरा में चार दिन से चालू नहीं हो सका ऑक्सीजन प्लांट

कंप्रेशर का इंतजार, वायु सेना से मांगी मदद

■ आगरा

आगरा के टेढ़ी बगिया में 1400 सिलिंडर ऑक्सीजन गैस आपूर्ति का प्लांट चार दिन से कंप्रेशर के इंतजार में चालू नहीं हो सका है। जिला प्रशासन ने गुजरात से प्लांट के लिए कंप्रेशर मंगाया है लेकिन असेंबलिंग नहीं होने से कंप्रेशर नहीं मिल सका। बुधवार तक कंप्रेशर असेंबल होने की उम्मीद है। इसे आगरा लाने के लिए वायु सेना से मदद मांगी गई है।

कोरोना वायरस की दूसरी लहर में ताजनगरी ऑक्सीजन संकट से जूझ रही है। इससे निजात के लिए हवा से ऑक्सीजन बनाने के प्लांट को चालू करने के प्रयास चल रहे हैं। इसके लिए भारतीय वायु सेना के विशेषज्ञों की मदद ली गई है। अहमदाबाद स्थित फैक्टरी में कंप्रेशर के असेंबल होने के बाद वायु सेना के विमान से कंप्रेशर आगरा लाया जाएगा। लेकिन दो दिन से असेंबलिंग के इंतजार में वायु सेना का विमान रवाना नहीं हो सका है। जैसे ही यह कार्य पूरा हो जाएगा, आगरा से अहमदाबाद के लिए विमान रवाना हो जाएगा। इससे काफी हद तक ऑक्सीजन की कमी दूर करने में मदद मिल सकती है।

बुधवार तक असेंबल होने की उम्मीदःअहमदाबाद स्थित फैक्टरी में आक्सीजन प्लांट के कंप्रेशर के असेंबल होने की उम्मीद है। ऐसे में कंप्रेशर बुधवार शाम तक आगरा आ सकता है।

ऑक्सीजन के लिए दर-दर भटक रहे लोग, सरेआम झूठ बोल रही भाजपाः अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर शायर वसीम बरेलवी की एक नज्म के जरिए निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि वो झूठ बोल रहा था बड़े सलीके से, मैं ऐतबार न करता तो और क्या करता....। अखिलेश ने आगे लिखा कि यूपी में लोग ऑक्सीजन के लिए दर-दर भटक रहे हैं और सरेआम भाजपा झूठ बोल रही है। दरअसल, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दावा किया था कि राज्य में न तो बेड की कमी है न ही ऑक्सीजन या रेमडेसिविर इंजेक्शन की किल्लत है।

कर्मचारियों की कमी से धूल फांक रहे वेंटिलेटर

बिजनौर। उत्तर प्रदेश में कोरोना का कहर तेजी से फैलता जा रहा है। इस समय लोगों को अस्पतालों में आक्सीजन और वेंटीलेटर की कमी आ रही है लेकिन यूपी में एक जिला अस्पताल ऐसा भी है जहां सबकुछ तो है लेकिन उसे ऑपरेट करने के लिए कर्मचारी नहीं हैं। बताया जा रहा है कि बिजनौर में कोविड मरीजों के इलाज के लिए जिला अस्पताल में कोविड वार्ड भी है, आक्सीजन भी है, वैंटीलेटर भी है लेकिन उनको चलाने वाला स्टाफ नहीं है। जानकारी के अनुसार सीएमओ विजय कुमार यादव ने वैटिंलेटर पचास लाख की कीमत से खरीदे, लेकिन ये 24 वेंटिलेटर धूल फांकते नजर आ रहे हैं। पिछले साल कोविड से बचाव के लिये वेंटिलेटर खरीदे तो गये लेकिन कभी चले ही नहीं ऐसा नहीं है कि बिजनौर में करोना पेशेंट्स कम हो इस समय तीन हजार से ज्यादा कोरोना मरीज है। सरकारी आकडों के अनुसार 72 मरीजों की मौत हो चुकी है, जबकि हकीकत मे मौतों की संख्या कहीं ज्यादा है। बिजनौर के जिला अस्पताल के सी.एम.एस डा.ज्ञान चंद से जब इन वेंटिलेटरो के बारे में जानकारी ली तो साहब ने बताया कि पिछले साल कुल 24 वेटिलेटर खरीदे गये थे।

गांवों में नहीं हो रहा कोरोना टेस्ट शहरों में भी मुश्किलः प्रियंका

कांग्रेस महासचिव ने सीएम को लिखी चिट्ठी, दिए 10 सुझाव

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बेकाबू हो रहे कोरोना संक्रमण के हालात पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होंने अपनी 4 बड़ी चिंताएं जाहिर की है। साथ ही महामारी को रोकने के लिए 10 सलाह-सुझाव भी दिया है। उन्होंने टीकाकरण और परीक्षण पर जोर देने की बात कही है। कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर भयानक रुप ले चुकी है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में जांच तक नहीं हो रही है। शहरों में भी जांच कराने में कई मुश्किलें हैं।

प्रियंका गांधी ने चिट्ठी में लिखा, कोरोना महामारी की दूसरी लहर अपने भयानक रूप में है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में तबाही चरम पर है। शहरों की सीमाओं को लांघकर अब यह महामारी गांवों में अपना पैर पसार रही है। सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि जिस रफ्तार से

कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, उसके मुकाबले प्रदेश में कोरोना जांच की दर न के बराबर है। बड़ी संख्या ऐसे मामलों की भी है जो रिपोर्ट ही नहीं हो पा रहे हैं।

महासचिव ने पत्र में आगे लिखा है कि मानवता की इस लड़ाई में लोगों को कोरोना से लड़ने के लिए अकेला मत छोड़िए, आप (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) उनके प्रति जवाबदेह हैं। इस संकट के समय यदि आपने दृढ़निश्चय लेकर सरकार के पूरे संसाधन नहीं डालेंगे तो भावी पीढ़ियां आपको कभी माफ नहीं करेंगी।

इस महाविपदा का सच सामने ला रहे लोगों को जेल में बंद करने और उनकी संपत्ति जब्त करने के आदेश के पीछे आपकी जो भी मंशा हो कृपया सबसे पहले इस जानलेवा वायरस को काबू करने की कोशिश पर अपना ध्यान केंद्रित करें और ये तभी संभव होगा जब यूपी सरकार यह मानने को तैयार होगी कि यह स्वास्थ्य आपातकाल का समय है। कोरोना संक्रमण एवं मौत के आंकड़ों को ढंकने, छुपाने के बजाय श्मशान, कब्रिस्तान और नगरपालिका निकायों से परामर्श कर पारदर्शिता से लोगों को बताया जाए।

आरटीपीसीआर जांच की संख्या बढ़ाएं। सुनिश्चित करें कि कम से कम 80% जांच आरटीपीसीआर द्वारा हों। ग्रामीण क्षेत्रों में नये जांच केंद्र खोलें और पर्याप्त जांच किटों की खरीद तथा प्रशिक्षित कर्मचारियों से उनकी मदद करें।

कोरोना महामारी ने बढ़ाई 'राजग' में तकरार

बिहार की राजनीति में 'संपूर्ण बंदी' को लेकर मचा बवाल

पटना। बिहार में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामले को रोकने को लेकर राज्य में 'संपूर्ण बंदी' के प्रश्न पर सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शुरू हुई तकरार अब और बढ़ते जा रही है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जहां पहले से ही शुक्रवार से सोमवार तक बंदी करने के पक्ष में खड़ी दिख रही है, वहीं जदयू इसके विरोध में खड़ी है। राजग में शामिल हिंदुस्तानी अवाम पार्टी के प्रमुख जीतन राम मांझी ने भी मंगलवार को लॉकडाउन को लेकर शर्त रख दी है। बिहार में सर्वदलीय बैठक के बाद कोरोना के संक्रमण को रोकने को लेकर राज्य भर में नाइट कर्फ्यू लगाया गया है। नाइट कर्फ्यू लगाए जाने के बाद भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल ने इस फैसले पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि रात का कर्फ्यू लगाने

से कोरोना वायरस का प्रसार कैसे बंद होगा, यह समझने में मैं असमर्थ हूं। अगर कोरोना वायरस के प्रसार को वाकई रोकना है, तो हमें हर हालत में शुक्रवार शाम से लेकर सोमवार सुबह तक की बंदी करनी ही होगी। इसके बाद मंत्री रामसूरत राय ने भी बिहार में बढ़ते कोरोना के मामले को रोकने के लिए राज्य में लॉकडाउन लगाए जाने की बात कह चुके हैं। इधर, जदयू के नेता और सांसद ललन सिंह ने साफ कहा कि बिहार में लॉकडाउन की मांग करने वाले नेता अखबारी हैं और केवल सुर्खियों में रहने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, नीतीश कुमार खुद हर बात पर नजर रख रहे हैं और उसकी लगातार समीक्षा भी कर रहे हैं। यदि जरूरत होगी तो लॉकडाउन भी लगाया जाएगा, लेकिन अभी बिहार में ऐसी स्थिति नहीं है।

जाहिर है उनका निशाना सीधे भाजपा अध्यक्ष ही थे। ललन सिंह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खास माने जाते हैं। वहीं, जदयू के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश के खास माने जाने वाले जदयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने भी ट्वीट कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को नसीहत दी कि यह राजनीति का वक्त नहीं है।

बैंक लूटने के बाद लुटेरों ने अपने ही साथी को मारी गोली

आरा। बिहार में अपराधी कितने बेखौफ हो चुके हैं इसका नजारा मंगलवार को आरा में देखने को मिला। दरअसल 4 की संख्या में अपराधियों ने पंजाब नेशनल बैंक में हथियार के दम पर लूटपाट करना शुरू किया। सभी अपराधी स्ट्रांग रूम तक पहुंचना चाह रहे थे लेकिन वह अपने इस योजना में सफल नहीं हो सके। इसके बाद लूटेरों ने कैश काउंटर और ग्राहक से 50 हजार रुपए लूटकर वहां से भागने लगे। इसके पहले भागने के क्रम में बैंक के अंदर ही एक लुटेरे ने अपने ही दूसरे साथी को गोली मार दी। गोली चलने के बावजूद ग्रामीण डरे नहीं और एक अन्य अपराधी को भी पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। दरअसल यह घटना भोजपुर जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित पीरौटा के पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में घटित हुई। बताया गया कि अपराधियों द्वारा अपने साथी पर चलाई गई गोली उसके सिर में लगी है। जिसे गंभीर अवस्था में पुलिस द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया है। पूरे मामले की जांच भोजपुर एसपी राकेश दुबे के नेतृत्व में की जा रही है।

दुधवा में मृत मिली मादा हाथी

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी में दुधवा टाइगर रिजर्व (डीटीआर) के मुख्य क्षेत्र में एक मादा हाथी का शव मिला है। सोमवार को दुधवा रेंज के चंदपुरा इलाके में एक गश्ती दल द्वारा शव को देखा गया।

शव पर कोई चोट के निशान नहीं थे और उसकी हालत से पता चला है कि मादा हाथी की दो दिन पहले ही मौत हो चुकी थी। लेकिन यह स्पष्ट नहीं था कि यह एक स्वाभाविक मौत थी या उसे जहर दिया गया था। इसका पता लगाने के लिए तीन पशु चिकित्सकों के पैनल द्वारा शव का परीक्षण किया जाएगा।

डीटीआर के डिप्टी डायरेक्टर मनोज सोनकर ने कहा, हाथी के सभी अंग बरकरार थे और कोई चोट के निशान या लड़ाई के संकेत नहीं थे। हमने एक डॉग स्क्वॉयड तैनात किया है और इलाके की जांच की जा रही है। "प्रथम दृष्या से ऐसा लगता है कि हाथी की स्वाभाविक मौत हुई होगी, लेकिन वास्तविक कारण का पता डॉ. दया शंकर, डॉ. बाबूराम निगम और डॉ. अरविंद कुमार सिंह द्वारा शव परीक्षण के बाद लगाया जाएगा। शव परीक्षण की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। उन्होंने कहा, जंगलों के प्रमुख मुख्य संरक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को हाथी की मौत के बारे में सूचित कर दिया गया है। हमने सभी गश्ती कर्मचारियों को सतर्क रहने और सभी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कहा है।

जेलों में कोरोना

जेल मुख्तार अंसारी की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद टीटमेंट शुरू

यूपी में 1641 बंदी पॉजिटिव, नैनी जेल में 123 संक्रमित

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के 64 स्थायी जिलों में 1,12,290 कैदी सजा काट रहे हैं। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों का टेस्ट कराया गया जिसमें 1641 बंदी पॉजिटिव पाए गए हैं। अब तक छह की मौत हुई है। इसमें तीन बंदी, दो बंदी रक्षक समेत एक अधिकारी शामिल हैं। वहीं 22,375 बंदियों का वैक्सीनेशन कराया जा चुका है। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी की फ्ळढउफ रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद आज मेडिकल कालेज के डॉक्टरों की टीम मुख्तार का उपचार मंडल कारागार कराया जा रहा हैं।

प्रदेश के 64 जिलों में बंद एक लाख 12 हजार कैदियों में कोरोना कोरोना का खतरा बढ़ता नजर आ रहा है। जेल में छोटे-छोटे कंपाउंड में एक साथ कैदियों की रहने की वजह से संक्रमण फैलने की आशंका बढ़ जाती है। फिलहाल उत्तर प्रदेश के डीजी जेल आनंद कुमार के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में सैनिटाइजेशन के कार्य किए

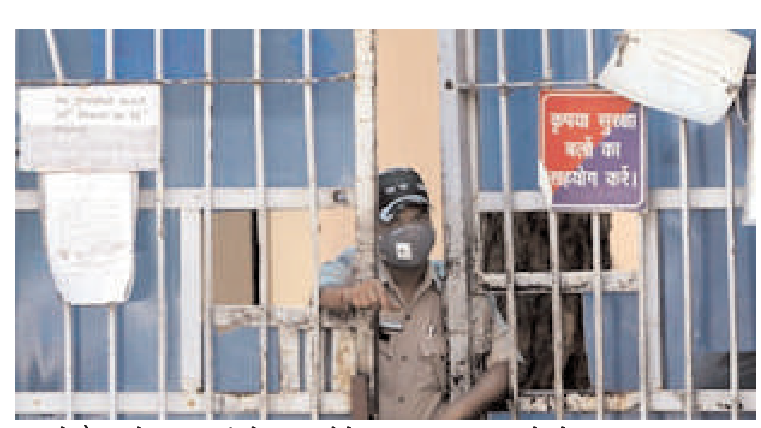

जा रहे हैं। उनके द्वारा सभी जेल सुपरिटेंडेंट को याद निर्देश दिया गया है कि, सोशल डिस्टेंसिंग के साथ व मास्क के साथ ही कह दी जेल में कैदी रहे।

डीजी जेल के अनुसार अभी तक प्रदेश में 22,375 बंदियों को वैक्सीनेशन किया जा चुका है। अन्य बंदियों के वैक्सीनेशन की प्रक्रिया 1 मई के बाद से शुरू की जाएगी। जेल सुपरिटेंडेंट के द्वारा किसी भी तरीके की लापरवाही व संक्रमण न फैले इसीलिए सभी तरीके के प्रयास किए जा रहे हैं।

मंडल कारागार में होगा मुख्तार का इलाज, **आइसोलेशन में रखा गया है मुख्तार अंसारी को3** बांदा जेल मुख्तार अंसारी की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद आज मेडिकल कालेज के डॉक्टरों की टीम मुख्तार को उपचार के मंडल कारागार रहेगी। मेडिकल कालेज के प्राचार्य मुकेश कुमार ने जानकारी दी। जेल में लगभग 60 लोग अब तक कोरोना की चपेट में आए इसलिए कैदियों को बाहर लाना और उनकी सुरक्षा का इंतजाम करना कठिन होगा। इसलिए डॉक्टरों की टीम मंडल कारागार में उनको आइसोलेशन में रखते हुए इलाज करेगी। फिलहाल मुख्तार अंसारी कोरोना संक्रमित होने के बाद भी उन्हें कोई अभी कोई दिक्कत नहीं उनका जेल के अंदर आइसोलेशन करके ही इलाज किया जाएगा। प्रदेश के प्रयागराज के नैनी जेल में 3 दिन पहले रिपोर्ट आई जिसके अनुसार जेल में बंद 123 कैदी कोरोना संक्रमित हैं। 114 पुरुष और 9 महिला कैदी संक्रमित हैं। जेल में 120 बेड का कोविड केयर सेंटर बनाया गया। एक जेलर,दो डिप्टी जेलर और 12 वार्डन भी कोरोना संक्रमित हैं। प्रदेश के 72 जेलों में से सबसे ज्यादा संक्रमित होने का मामला नैनी जेल में बताया जा रहा है।

वहीं अब तक हमीरपुर जेल में तैनात डिप्टी जेलर कि कोविड-19 होने की वजह से बांदा जिले में इलाज के दौरान बीते 20 अप्रैल को मौत हो गई थी। डिप्टी जेलर केपी सिंह यादव गाजीपुर के निवासी थे। बीते दिनों उनकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटवि आई थी, जिसके बाद उनका उपचार बांदा के कोविड हॉस्पिटल में चल रहा था।

मेडिकल कॉलेज के कोविड एल-3 वार्ड में खाली बेड देखकर नाराजगी

मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर और बेड की संख्या बढ़ाए जाने के निर्देश

कोविड वार्ड में मरीजों से जाना हाल, सभी मिल रही सुविधाओं से संतुष्ट

मेडिकल कॉलेज में डीएच स्टाफ होगा अटैच ताकि बेहतर हो सके मरीजों का इलाज

महामारी के दौरान मेडिकल स्टाफ का मनोबल बनाए जाने की जरूरत

झांसी। जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी ने नगर आयुक्त के साथ महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के कोविड एल- 3 वार्ड का पीपीई किट पहनकर निरीक्षण किया। वहां भती मरीजों से उनका हाल जाना और और मिल रही सुविधाओं के विषय में जानकारी ली। कोविड एल-3 वार्ड में उन्होंने मरीजों से बात की तथा भोजन, दवाएं समय से मिल रही है, डॉक्टर राउंड पर आते हैं आप सभी से उनकी बात होती रहती है, इस विषय में भी उन्होंने जानकारी ली उन्होंने कहा कि कोई समस्या आती है तो तत्काल चिकित्सक से बात करें, ताकी समस्या को दूर किया जाएगा, इस पर मरीजों ने बताया कि वह मिल रही सुविधाओं से संतुष्ट हैं, साथ ही वार्ड की सफाई व्यवस्था भी बेहतर है। जिलाधिकारी ने एक-एक मरीज से बात करते हुए कहा कि आप ध्यान रखें समय से दवाएं लें, तो आप जल्द ही स्वस्थ होंगे।मेडिकल कॉलेज मैं कोविड एल-3 वार्ड के निरीक्षण पर जिलाधिकारी ने खाली बेड मिलने पर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल लाबी में तथा स्ट्रेचर पर लेटे मरीजों को शिफ्ट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसा अमानवीय व्यवहार क्षम्य नहीं होगा। आप सभी संवेदनशून्य हो गए हैं, इतनी भी सहानुभूति नहीं है कि खाली बेड पर मरीजों को पहुंचा दिया जाए। उन्होंने अगले दो दिनों में मौजूदा स्थिति को देखते हुए मेडिकल कालेज में 40 वैंटीलेटर और 50 बेड बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि दो वेंटीलेटर मिलिट्री हॉस्पिटल से तथा जनपद ललितपुर से 10 तथा जिला अस्पताल से 5 वेंटिलेटर मेडिकल कॉलेज में शिफ्ट किए जा रहे हैं।जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन कोविड प्रबंधन को लेकर बेहद गंभीर है और हर वह प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे संक्रमण को रोका जा सके। उन्होंने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि आप तनाव पर अंकुश रखें और इस भीषण महामारी के दौरान डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ के मनोबल और मेहनत को बढ़ाने में सहयोग करें। मेडिकल कॉलेज में मैनपावर जल्द बढ़ाए जाने के साथ ही जिला अस्पताल के डॉक्टरों को मेडिकल कॉलेज अटैच किया जा रहा है, जहां वह अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रयास से एक ही स्थान पर अधिक मरीजों का सभी सुविधाओं के साथ इलाज किया जा सकेगा।मेडिकल कॉलेज भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि मेडिकल कालेज में मरीजों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने के लिए एमएलबी वार्ड 10 को एल- 2 सुविधायुक्त वार्ड बनाया गया है। इसी क्रम में जनपद में सभी सरकारी एल- 2 हॉस्पिटल में पर्याप्त बेड के साथ ऑक्सीजन गैस की उपलब्धता है। उन्होंने कहा कि आने वाले मरीजों को प्राथमिकता से भती किया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज सहित समस्त सरकारी एल- 2 हॉस्पिटल में पुलिस फोर्स लगाए जाने के भी निर्देश दिए।इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ एस एन सेंगर, डॉ अंशुल जैन, डॉक्टर सचिन माहौर, डॉक्टर नीरज बनोरिया सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

दो ट्रकों की आपस में भिड़ंत से लगी आग, एक ट्रक ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत

हमीरपुर। जनपद में एक बहुत बड़ा हादसा हो गया। मौदहा थाना क्षेत्र के ग्राम मकराँव के पास कबरई से हमीरपुर मुख्यालय की तरफ जा रहे एक ट्रक मे मौरंग और दूसरी ओर से आ रहे गिट्टी लदे ट्रक आपस में भिड़ गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गाड़ियों में आग लग गई। इस हादसे में एक ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि दूसरे ड्राइवर व खलासी बाल-बाल बच गये।बताते चलें कि घटना राष्ट्रीय मार्ग 34 के पास कोतवाली मौदहा के अंतर्गत मकराँव गांव की है। जंहाँ रात्रि करीब 02 बजे एक बड़ा हादसा हुआ मौरम लदा ट्रक व दूसरे ट्रक से आमने सामने भिड़ंत हो गई जिससे आग लग गई। ट्रकों में लगी आग इतनी भयंकर थी कि आग के गुब्बारे कोसों दूर तक दिखाई दे रहे थी। मौके पर पहुंचकर स्थानीय ग्रामीण ने डायल 112 को फोन द्वारा आग लगने की सूचना दी जिस पर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी मौदहा तारा सिंह पटेल ने दमकल विभाग को तत्काल सूचना दी। दमकल विभाग, स्थानीय पुलिस व ग्रामीणों की मदद से घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग पर काबू पाने के बाद चेक करने पर पता चला कि ट्रक की स्टेरिंग मे फंस जाने के कारण एक ड्राइवर आग की चपेट मे आने से जिन्दा जलकर मृत्यु हो गई है। जिसे मौदहा थाना प्रभारी ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही जेसीबी के माध्यम से ट्रक को सड़क से बाहर कराकर आवागमन सुचारू रूप से चालू कराया।

अरहान मिनरल्स के संस्थापक ने कोविड फाइटर्स हमीरपुर ग्रुप के माध्यम से की तीन लाख रूपये की मदद

हमीरपुर। कोरोना को संक्रमण उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। यहां लगातार बढ़ते कोरोना संकट को देखते हुए कोरोना से पीड़ित मरीजों की हर संभव मदद के लिए हमीरपुर के अभिषेक, असद खान पत्रकार, गौरव भदोरिया पुलिस विभाग एवं अन्य लोगों ने कोविड फाइटर हमीरपुर ग्रुप के नाम से एक ग्रुप का शुभारंभ किया है। जिसमें कोरोना पीड़ित की हर संभव मदद के लिए फंड इकट्ठा किया जा रहा है। अभी तक इस ग्रुप के माध्यम से तकरीबन पांच लाख रूपये फंड में इकट्ठे कर लिए गए हैं। इस ग्रुप के माध्यम से अभी तक मे सबसे बड़ी सहायता और इस मुहिम का हिस्सा तथा इसे आगे बढ़ाने वाले अरहान मिनरल्स के संस्थापक भाई जावेद हबीब ने बुधवार को तीन लाख रुपए की सहायता की है। और उन्होंने कहा है कि आगे जो मदद होगी मैं करूंगा। इस बहुत बड़े योगदान में जावेद हबीब को हमीरपुर नगर के सभी मित्रों व सहयोगी साथियों ने ह्दय से उनका आभार व्यक्त किया! और उनके इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि जावेद हबीब ने इस महामारी के समय तीन लाख रूपये की मदद से ऑक्सीजन की कमी से पीड़ितों की जो मृत्यु हो रही है इस मदद के आधार से 50 ऑक्सीजन सिलेंडरों की खरीद कर कोविड अस्पतालो में रखे जाएंगे

महामारी पर काबू करने के लिए सांसद ने किया सघन दौरा

झाँसी नगर में शासकीय स्वास्थ्य प्रयासों की समीक्षा करने, प्रदेश सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण करने तथा उन प्रयासों को बल देने के उद्देश्य से सांसद झाँसी-ललितपुर अनुराग शर्मा ने आज तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लिया'सब से पहले सांसद ने एकीकृत कोविड कमांड सेंटर झाँसी का निरीक्षण किया तथा शासन की कार्यप्रणाली को समझा तथा उसमें सुधार हेतु अपने सुझाव दिए' इसके बाद सांसद ने नगर निगम स्थित करोना कण्ट्रोल सेंटर जाकर वहां की व्यवस्थाओं को देखा' नगर निगम के बाद अनुराग शर्मा टीबी अस्पताल तथा सीएमओ कार्यालय भी गए तथा वहां चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, स्वच्छ कमियों आदि से भेंट कर उनका मनोबल बढाया'इस चारों स्थानों का निरीक्षण कर सांसद ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है कि प्रशासन की व्यवस्थाएं दिन प्रति दिन बेहतर हो रही हैं तथा शीघ्र ही जो भी चुनौतियाँ शेष हैं उन पर भी काबू पा लिया जायेगा' उन्होंने प्रशासनिक अमले, पुलिस कमियों, चिकित्सा कमियों, स्वच्छ कमियों तथा पैरा मेडिकल स्टाफ की तारीफ करते हुए कहा कि इन फ्रंट लाइन वॉरिअर्स के कारण ही हम पहले चरण के संक्रमण पर काबू पाने में सफल हुए थे तथा सभी के आपसे सहयोग और समन्वय से इस दौर को भी काबू कर लेंगे'इस निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी झाँसी, आन्द्रा वामसी, नगर आयुक्त अवनीश कुमार राय तथा सांसद प्रतिनिधि अतुल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

पुलिस प्रशासन को चुनौती देते दिनारा के व्यापारी

दिनारा। दिनारा नगर में कोविड-19 को देखते हुए मध्यप्रदेश शासन द्वारा 01 माह के लिए शादियां तक कैंसिल कर दिए हैं लेकिन अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में दिनारा के व्यापारी लॉक डाउन का पालन नहीं कर रहे सरेआम मेन मार्केट में दुकानें खोलकर ग्राहकों को अंदर बैठा लेते हैं और मनमाने दामों पर सामान बेच रहे व्यापारी गाइड लाइन के अनुसार नहीं चल रहे हैं जबकि क्षेत्र के छोटी मोटी दुकानदार शासन-प्रशासन का पूर्ण सहयोग कर रहे दिनारा के प्रभावशाली दुकानदार पुलिस प्रशासन को चुनौती देते हुए सरेआम दुकानों को संचालित किए हुए हैं यदि मेन मार्केट में पुलिस की गाड़ी निकलती है सायरन की आवाज सुनते ही दुकानें बंद कर दी जाती है पुलिस के निकलते ही पुनः दुकानें संचालित की जाती है आखिरकार छोटे दुकानदार उनसे उम्मीद करते हैं कि जिस तरह हम लोग शासन प्रशासन का सहयोग कर रहे हैं बड़े दुकानदार बाहुबल के चलते शासन प्रशासन को चुनौती बने हुए हैं नगर में प्रतिदिन की भांति आज भी कई दुकानदार अपनी दुकानें संचालित की हुए थे पुलिस द्वारा दिनारा में इसी क्रम में एक व्यापारी को रंगे हाथ दुकानदारी करते हुए उठाया गया था देखना है पुलिस उसके साथ क्या कार्यवाही करती है और पुलिस की कार्रवाई से दुकानदार क्या सबक लेते हैं

अज्ञात कारणों के चलते किसान की झोपड़ी में लगी आग झोपड़ी में रखी बाइक सहित अन्य कीमती सामान जलकर स्वाहा

सूचना देने के 2 घंटे बाद पहुंची दमकल की गाड़ियां तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था

घटना में किसान का लगभग दो लाख रूपये का नुकसान बताया जा रहा है

दिनारा। पिछोर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम शाजापुर के मजरा लखनपुर में मंगलवार की दोपहर लगभग 2:00 बजे अज्ञात कारणों के चलते एक झोपड़ी में आग लग गई आग लगने की सूचना किसान ने दमकल की गाड़ियों को दी लेकिन दमकल की गाड़ी 2 घंटे बाद पहुंची घटनास्थल पर जब तक किसान की झोपड़ी में रखा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था इस घटना में किसान क लगभग 200000 का नुकसान बताया जा रहा है

जानकारी के मुताबिक शाजापुर के मजरा लखनपुर निवासी किसान राजकुमार पुत्र फैरन परिहार की झोपड़ी मे रखी बाईक सहित अन्य कीमती सामान जलकर स्वाहा हो गया है इस घटना में किसान का लगभग दो लाख रूपये का नुकसान हो गया है जिसकी शिकायत पर पुलिस ने आगजनी की शिकायत दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है

मतगणना परिणाम आयोग के सॉफ्टवेयर पर तत्काल फीडिंग कराएं: जिलामजिस्ट्रेट

झांसी। जिलामजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी(पंचायत एवं नगरीय निकाय) श्री आंद्रा वामसी अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग उ0 प्र0 लखनऊ द्वारा दिये गए निर्देशानुसार जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन- 2021 प्रक्रिया चल रही है, जिसके अंतर्गत मतगणना की कार्यवाही दिनाँक 02 मई 2021 को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ करायी जायेगी। जिलामजिस्ट्रेट ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आयोग द्वारा निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों के नामांकन संबंधी विवरण एवं निर्वाचन परिणामों को आयोग की वेबसाइट पर फीड किये जाने हेतु सभी निर्वाचन अधिकारी को अलग अलग लॉगिन आईडी व पासवर्ड उपलब्ध कराया गया है, जिसका प्रयोग करके निर्वाचन अधिकारियों द्वारा सदस्य एवं ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत तथा सदस्य क्षेत्रपंचायत एवं जिला पंचायत का निर्वाचन परिणाम अपलोड किया जायेगा। मतगणना हेतु ऐसी व्यवस्था की जानी है, जिससे कि निर्वाचन की वेबसाइट के माध्यम से जनसाधारण को ससमय एवं सुगमता से उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आयोग के निर्देशानुसार मतगणना संबंधी सभी सूचनाएं/ मतगणना परिणाम आयोग के सॉफ्टवेयर पर तत्काल फीड कराने हेतु मतगणना केंद्र पर कम से कम 05 कम्प्यूटर सेट ब्रॉडबैंड/एनआईसी स्वान के इंटरनेट कनेक्शन सहित एवं 05 कम्प्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें, तथा मतगणना के दौरान निर्वाचन परिणामों को ससमय वेबसाइट पर फीड कराते रहें, जिससे मतगणना संबंधी सूचनाएं एवं परिणाम आयोग एवं जनसाधारण को वेबसाइट के द्वारा सुगमतापूर्वक प्राप्त हो सकें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवार जो अपना मोबाइल नंबर दर्ज कराना चाहते हैं, उनसे मोबाइल नंबर लेकर आयोग की वेबसाइट पर तत्काल दर्ज किया जाये। उक्त निर्देश/कार्यो में शिथिलता/लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, अतः शीर्ष प्राथमिकता प्रदान करते हुए ससमय मतगणना कार्य सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें।

जय ऑफसेट प्रेस

फ्लैक्स बैनर, कलर पोस्टर, स्टीकर, विजिटिंग कार्ड शादी कार्ड, कैलेन्डर,

कलर ब्लैक एण्ड व्हाईट न्यूज पेपर मैग्जीन एवं चुनाव सामग्री

इत्यादि की प्रिंटिग हेतु सम्पर्क करें।

ठाकुर दास प्रजापति

संचालक

मो. 6393149766, 8005203626

पता - दीनदयाल मार्केट, सैंयर गेट रोड, मिनर्वा चौराहा, झाँसी

मुद्रक,प्रकाशक,संपादक ठाकुर दास प्रजापति द्वारा जयऑफसेट प्रेस दीनदयाल मार्केट मिनर्वा चौराहा झांसी से मुद्रित एवं 469 नई बस्ती झाँसी से प्रकाशित संपादक ठाकुरदास प्रजापति पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। रजिस्ट्रेशन नं. यूपी एचआईएन /2015/ 64 737 फोन न. 6393149766,8005203626